● वर्ष-2
● अंक-158
रायपुर, रविवार
19 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 19 फरवरी रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पत्र का अगला अंक 21 फरवरी मंगलवार को प्रकाशित होगा।

सभी राज्यों को जारी होगा मुआवजा - वित्त मंत्री

जीएसटी काउंसिल की 49वीं बैठक दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल की 49वीं बैठक दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई। इसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुईं। जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमने आज घोषणा की है कि जीएसटी क्षतिपूर्ति की लंबित शेष राशि का आज तक पूरा भुगतान कर दिया जाएगा।

दूसरे शब्दों में जीएसटी मुआवजे की पूरी लंबित शेष राशि जून के लिए कुल 16,982 करोड़ रुपये को मंजूरी दे दी जाएगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद ये जानकारी दी। हालांकि यह राशि आज की तारीख में मुआवजा कोष में वास्तव में उपलब्ध नहीं है।

हमने इस राशि को अपने संसाधनों से जुटाकर जारी करने का फैसला किया है। इतनी ही राशि भविष्य के मुआवजा उपकर संग्रह से प्राप्त की जाएगी। इस विज्ञप्ति के साथ केंद्र जीएसटी (राज्यों को मुआवजा) अधिनियम के तहत परिकल्पित सेस की राशि के पिछले पांच वर्षों का बकाया का भुगतान कर दिया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा, राब (लिक्विड जैगरी) और पेंसिल व शार्पनर पर

जीएसटी दरों में कटौती की गई है। वित्त मंत्री ने कहा, सभी राज्यों को बकाया मुआवजा जारी कर दिया गया है। केंद्र ने राज्यों को 16,982 करोड़ रुपये जारी किए। इसके साथ ही पान मसाला, गुटखा पर जीओएम की सिफारिशें मंजूर कर ली गई है। इनपर कैपेसिटी बेस्ड टैक्सेशन लागू करने का फैसला लिया गया है। इनपर सख्त कंप्लायंस लागू करने की सिफारिश की गई है। जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल पर रिपोर्ट को मंजूर कर लिया गया है। राज्यों के कहने पर इसकी परिभाषा में बदलाव किया जाएगा।

वित्त मंत्री के अनुसर राब (लिक्विड गुड़) पर जीएसटी की दर शून्य कर दी गई है। खुले लिक्विड गुड़पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है। यानी इस पर कोई टैक्स नहीं लगेगा. वहीं पैकेट बंद लिक्विड गुड़ पर जीएसटी की दर 18% से घटाकर 5% कर दी गई है। पेंसिल और शार्पनर पर जीएसटी दरें 18% से घटाकर 12% कर दी गईं हैं।

उन्होंने कहा कि पान मसाला और गुटखा उद्योग में हो रही कर चोरी पर लगाम लगाने के लिए ओडिशा के वित्त मंत्री निरंजन पुजारी की अध्यक्षता में गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) की रिपोर्ट पर भी चर्चा की गई।

वित्त मंत्री ने कहा कि एसयूवी की तर्ज पर एयूवी पर टैक्स लगाने का फैसला फिलहाल टल गया है। जीएसटी परिषद ने एनुअल रिटर्न दाखिल करने में देरी के लिए विलंब शुल्क के रेशनलाइजेशन की भी सिफारिश की है।

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि तीन फॉर्मों जीएसटीआर फॉर्म नंबर 4, 9 और 10 पर लेट फीस कम कर दी गई है। इस तरह की राहत पहले जीएसटीआर 1 और 3 के लिए दी गई थी जो कि मासिक रिटर्न हैं। अब इन तीनों फॉर्म पर भी लेट फीस कम कर दिया गया है।

सीतारमण ने कहा ऑनलाइन गेमिंग पर जीओएम की रिपोर्ट को आज की बैठक में नहीं लिया जा सका क्योंकि ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स के अध्यक्ष मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा हैं और वह राज्य में चुनाव के कारण जीएसटी परिषद् की बैठक में शामिल नहीं हो सके।

इस बैठक में सीतारमण के अलावा राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों और विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों ने भी शिरकत की।

महाराष्ट्र के 20वें राज्यपाल बने रमेश बैस

बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस गंगापुरवाला ने दिलाई शपथ

मुंबई। रमेश बैस ने शनिवार को भगत सिंह कोश्यारी की जगह महाराष्ट्र के 20वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। बैस को बॉम्बे हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस एस वी गंगापुरवाला ने यहां राजभवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। बैस ने मराठी में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे। सितंबर 2019 से महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में कार्य करने वाले कोश्यारी ने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया था। शपथ लेने के बाद महाराष्ट्र के नए राज्यपाल बैस ने आज मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर का भी दौरा किया और पूजा-अर्चना की। बैस इससे पहले झारखंड और त्रिपुरा के राज्यपाल रह चुके हैं। 1989 में पहली बार लोकसभा के सांसद चुने गये और फिर 1996 से लगातार छह बार रायपुर से लोकसभा सांसद चुने गए। उन्होंने देश के केंद्रीय मंत्री के रूप में भी काम किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजिम में कुलेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना की

देश तीन साल में बन जाएगा दूरसंचार प्रौद्योगिकी निर्यातक: वैष्णव

नयी दिल्ली। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत ने अपनी स्वदेशी 4जी/5जी तकनीक से अपनी ताकत साबित कर दी है और अब भारत आने वाले तीन वर्षों में दुनिया के लिए दूरसंचार प्रौद्योगिकी के प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरने के लिए तैयार है। इसके साथ ही वैष्णव ने कहा कि रेलवे के निजीकरण की कोई योजना नहीं है। वह दूरसंचार के साथ रेल मंत्री भी हैं। वैष्णव ने यहां इकोनॉमिक टाइम्स ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 को संबोधित करते हुए कहा कि 5जी सेवाओं की शुरुआत एक अक्टूबर, 2022 को हुई थी और इसके 100 दिन के अंदर यह 200 से ज्यादा शहरों में शुरू हो चुकी है।

इस रफ्तार के लिए इसे दुनियाभर के संबद्ध लोगों से प्रशंसा मिल चुकी है और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे 'दुनिया में 5जी का सबसे तेज प्रसार' बताया गया। वैष्णव ने भुगतान, चिकित्सा और पहचान जैसे विभिन्न मंचों पर भारत में परीक्षण किए जा रहे जनसंख्या-पैमाने के समाधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इनमें से प्रत्येक मंच अपने आप में मजबूत है लेकिन साथ मिलकर 'यह एक ऐसा बल बनता है जो दुनिया की किसी भी बड़ी समस्या का समाधान कर सकता है।' मंत्री ने कहा कि भारत अगले तीन साल में दुनिया का दूरसंचार प्रौद्योगिकी निर्यात के तौर पर उभरने वाला है। वैष्णव ने कहा, आज भारत की दो कंपनियां दुनिया को निर्यात कर रही हैं.. आगामी तीन सालों में हम भारत को दुनिया में दूरसंचार प्रौद्योगिकी का प्रमुख निर्यातक बनते हुए देखेंगे।

उन्होंने स्वदेशी 4जी और 5जी प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अब यह तैयार हो चुकी है। शुरुआत में एक साथ 10 लाख कॉल करके परीक्षण किया गया, फिर 50 लाख कॉल करके परीक्षण किया गया और अब इसका परीक्षण एक साथ एक करोड़ कॉल करके किया गया है। उन्होंने कहा कि कम से कम 9-10 देश भारत की इस स्वदेशी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना चाहते हैं।

प्रमुख समाचार

पीएफआई पर नकेल कसेगी एनआईए, जयपुर-कोटा समेत सात ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। राजस्थान के कई शहरों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर नकेल कसने के लिए ताबड़तोड़ हमले कर रही है। पीएफआई के सात ठिकानों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कार्रवाई की है। इस संबंध में कार्रवाई 18 फरवरी की सुबह से की जा रही है। जयपुर, बूंदी, सवाई माधोपुर, कोटा आदि में ये कार्रवाई की जा रही है, जिसमें पीएफआई के अधिकारियों के घरों पर भी छापेमारी हो रही है। बता दें कि एनआईए ने छापेमारी से पहले पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर हुद्ध की चल रही कार्रवाई के तहत तीन आरोपियों की गिरफ्तारी राजस्थान से की थी। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मोहम्मद सोहेल के तौर पर हुई थी। एनआईए ने सोहेल को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उस पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने की साजिश का भी आरोप लगा था। इससे पहले पीएफआई के जयपुर स्थित ठिकानों पर पदाधिकारियों के घर पर भी एनआईए की टीम छापेमारी कर चुकी है। इस दौरान टीम को कई आपत्तिजन सामग्री बरामद हुई थी, जिसे कब्जे में लिया गया था। बता दें कि इसी कड़ी में 18 फरवरी को भी कार्रवाई हो रही है।

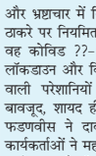

महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी चुनाव में 150 सीट जीतने पर काम कर रहे हैं: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2024 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में 150 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। भाजपा की नागपुर इकाई के कार्यकारी निकाय की बैठक में उन्होंने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे की महा विकास आघाड़ी सरकार घर से काम करती थी और भ्रष्टाचार में लिप्त थी। भाजपा मुख्यमंत्री रहते ठाकरे पर नियमित रूप से आरोप लगाती रही कि वह कोविड ??-19 महामारी, उसके बाद लागू लॉकडाउन और किसानों को भारी बारिश से होने वाली परेशानियों को लेकर दबाव डालने के बावजूद, शायद ही कभी मुंबई से बाहर निकले। फडणवीस ने दावा किया कि हालांकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने महामारी के दौरान लोगों से मिलना जारी रखा और पिछले साल जून में सरकार बदलने से राज्य में विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा, हम विधानसभा चुनाव में 150 से अधिक सीटें जीतने के लिए काम कर रहे हैं।

ई-अदालतों के लिए सात हजार करोड़ खर्च लेकिन अभी भी सही से काम नहीं हो रहा

नई दिल्ली। देशभर में संचालित ई-अदालतों पर एक संसदीय कमेटी ने चिंता जाहिर की है। राज्यसभा सांसद सुशील मोदी की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने शुक्रवार को बैठक की। इसमें शामिल सभी सदस्यों ने पार्टी लाइन से हटकर इलेक्ट्रॉनिक कोर्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि संसदीय पैनल ने शुक्रवार को एक बैठक के दौरान चिंता व्यक्त की कि इलेक्ट्रॉनिक कोर्ट (ई-कोर्ट) काउंटी में अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर रहे हैं। कई संसद सदस्यों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर अपनी चिंता व्यक्त की। सांसदों ने कहा कि सरकार ने ऐसी अदालतों के कामकाज के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने पर करीब सात हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं, लेकिन वे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। बताया जाता है कि कमेटी ने इस मामले में कानून मंत्रालय से जवाब भी मांगा है। इसी के आधार पर फिर से समीक्षा होगी। कुछ विपक्षी सांसदों ने अधिकारियों से राज्य की अदालतों, खासकर उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में भी सवाल पूछा।

कूनो नेशनल पार्क पहुंचे 12 चीते, बाड़े में छोड़े गए, अब चीतों की कुल संख्या हुई 20

नई दिल्ली। भारत के मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्ट में वायु सेना के विशेष विमान ष्ट-17 ग्लोब मास्टर से लाए गए चीतों को छोड़ दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 12 चीते सुबह 10 बजे भारत पहुंचे थे, जिसके बाद इन्हें कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया है। इस खास मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। बाड़े में घुसते ही चीतों ने दौड़ लगाई। चीते नई जगह देखकर काफी अचंभित थे। वो नई जगह को पहचानने की कोशिश में लगे हुए थे। जानकारी के मुताबिक 12 नए चीते जो लाए गए हैं उनमें से सात नर और पांच मादा चीते है। पार्क में 12 नए चीतों के आने से यहां कुल 20 चीते हो गए है जिनमें से 10 नर और 10 मादा चीते है। बता दें कि इससे पहले 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भारत में पहली बार आठ चीते आए थे।

डिफेंस कॉरिडोर में बनी तोपें जब गरजेंगी, पाकिस्तान अपने आप गायब हो जाएगा: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बुंदेलखंड में विकास की परियोजनाओं और सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि डिफेंस कॉरिडोर में बनी तोपें जब गरजेंगी, पाकिस्तान अपने आप गायब हो जाएगा। शुक्रवार को बांदा में कालिंजर महोत्सव की शुरुआत करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड को विकास की धुरी से जोड़ने के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का निर्माण किया गया, जिसने दिल्ली समेत प्रदेश की राजधानी लखनऊ की दूरी कम कर दी। उन्होंने कहा कि आप चित्रकूट से महज साढ़े पांच घंटे में दिल्ली का रास्ता तय कर सकते हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा, चित्रकूट में हवाई अड्डा बनने जा रहा है, वहीं जहां पर बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे समाप्त हो रहा है, वहां से चित्रकूट तक रक्षा उत्पादन की अनेक इकाइयों को लेकर डिफेंस कॉरिडोर के निर्माण की कार्यवाही चल रही है, जहां पर बनीं तोपें जब गरजेंगी तो पाकिस्तान अपने आप ही गायब हो जाएगा।

चीन में एक बार फिर लापता हुआ एक अरबपति

शिवेंद्र तिवारी

नई दिल्ली। चीन में एक और अरबपति लापता हो गए हैं। चाइना रेनेसां होल्डिंग्स के सीईओ बाओ फान से बीते दो दिन से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस खबर के सामने आने के बाद शुक्रवार को हांगकांग में फान की कंपनी के शेयरों में 50त्न तक की गिरावट देखी गई। यह पहली बार नहीं है जब चीन में कोई उद्योगपति लापता हुआ है। इससे पहले भी अली बाबा के संस्थापक जैक मा समेत कुछ और अरबपतियों के लापता होने की खबरें आ चुकी हैं।

कौन हैं बाओ फान?

बाओ फान चाइना रेनेसां होल्डिंग्स के सीईओ हैं। इस कंपनी में फान की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी है। वह चीन के एक लीडिंग डील ब्रोकर हैं। बाओ के ग्राहकों में दीदी और मेइटुआन जैसी दिग्गज टेक कंपनियां शामिल हैं। उनको चीन के टेक उद्योग में एक अनुभवी डीलमेकर के रूप में जाना जाता है। फान ने देश की दो प्रमुख खाद्य वितरण सेवाओं, मितुआन और डियानपिंग के बीच 2015 के विलय में ब्रोकर की मदद की थी।

बाओ ने 1990 के दशक के अंत में मॉर्गन स्टेनली और क्रेडिट सुइस में अपने निवेश बैंकिंग करियर की शुरुआत की। बाद में उन्होंने शंघाई और शेन्जेन में स्टॉक एक्सचेंजों के सलाहकार के रूप में काम किया। इस कंपनी में फान की करीब 50 फीसदी की हिस्सेदारी है। हॉन्गकॉन्ग के स्टॉक एक्सचेंज में चाइना रेनेसां को 2018 में सूचीबद्ध किया गया।

फान के लपाता होने की बात कहां से आई?

चाइना रेनेसां होल्डिंग्स ने कहा कि उसके सीईओ बाओ फान से हाल के दिनों में संपर्क नहीं हो पा रहा है। इसकी जानकारी फान की कंपनी की ओर से गुरुवार को शेयर बाजार को

दी गई एक मार्केट अपडेट में दी गई।

चीनी बिजनेस न्यूजवायर कैक्सिन ने सूत्रों के हवाले से कहा कि कर्मचारी दो दिनों से उनसे संपर्क नहीं कर पाए थे। फर्म ने हाल ही में इसी तरह की एक और परेशानी का सामना किया था।

चीनी अधिकारियों ने सितंबर में कंपनी के अध्यक्ष कांग लिन को हिरासत में लिया था। कई मामलों में उन्हें भ्रष्टाचार, कर या अन्य कदाचार से जुड़ी जांच में फंसाने की बातें सामने आईं थीं। चाइना रेनेसां ने कांग की स्थिति पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। वह अब कंपनी की साइट पर या इसकी सबसे हालिया अंतरिम रिपोर्ट में एक कार्यकारी के रूप में सूचीबद्ध नहीं है।

फान के लपता होने की खबर सामने आने के बाद क्या हुआ?

बाओ फान के लापता होने के बारे में फर्म की घोषणा ने शेयर बाजार में हलचल मचा दी। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। हांगकांग के शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में 50त्न तक की गिरावट दर्ज की गई। दिन के अंत में बाओ फान की कंपनी के शेयर 28त्न नीचे बंद हुए।

शुक्रवार को एक समाचार सम्मेलन के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या बाओ फान को हिरासत में लिया गया है, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि उन्हें स्थिति की जानकारी नहीं है।

इससे पहले भी लापता हुए हैं कई चीनी करोबारी

चीन के प्रमुख तकनीकी निवेशकों में से एक बाओ फानगायब होने वाले पहले चीनी कारोबारी नहीं हैं। पहले भी चीन से इस तरह की खबरें आ चुकी हैं। इन सभी पर चीन की सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में कम से कम आधा दर्जन अरबपति कम्युनिस्ट पार्टी के साथ कथित टकराव के बाद कुछ समय के लिए गायब हुए हैं।

पहले कौन से कारोबारी अचानक गायब हो चुके हैं?

2021 में अलीबाबा के संस्थापक जैक मा अचानक गायब हो गए थे। गायब होने से पहले मा चीनी बाजार के नियामकों की आलोचना कर रहे थे। वह सार्वजनिक रूप से अपनी डिजिटल भुगतान फर्म एंट फाइनेंशियल की लिस्टिंग की तैयारी कर रहे थे। 2021 के अंत में जैक मा फिर से दिखाई दिए। हालांकि, उसके बाद उनकी और उनकी कंपनी की स्थिति में बहुत कुछ बदल चुका था।

2020 में रियल स्टेट व्यवसायी रेन सीचैंग लापता हो गए। रेन कई महीने तक गायब रहे। गायब होने से पहले रेन राष्ट्रपति शी जिनपिंग सरकार की कोरोना रोकने में असफल रहने पर आलोचना कर रहे थे। बाद में रेन को भ्रष्टाचार के आरोप में 18 साल की जेल हो गई। 2017 में बीमा दिग्गज अनबैंग ने अपने शेयर धारकों को बताया कि उनकी कंपनी के अध्यक्ष वू जियाओहुई अब अपनी सेवाएं नहीं दे पाएंगे। उस वक्त वू को सरकारी जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया था।

महाशिवरात्रि पर संगम में डुबकी लगाने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

राजिम। हल्की गुलाबी ठंड के बीच महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शनिवार की तड़के सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु ने राजिम के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाए और भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर अपने आप को धन्य किया। धर्म के प्रति आस्था का जुनुन शुक्रवार की रात से ही देखने को मिल रहा था। आस्था और श्रद्धा के चलते भोलेनाथ महादेव जी के प्रति अटूट भक्ति रखने वाले भक्त तड़के 3 बजे से ही राजिम संगम की धार में डुबकी लगाने पहुंच गए थे।

महाशिवरात्रि पर इस पुण्य स्नान को काफी महत्व माना जाता है, इसलिए तड़के सुबह से लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुगण पुण्य स्नान कर दीपदान किया। पश्चात दर्शनार्थियों की लम्बी लाईन श्री कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर और श्री राजीव लोचन मंदिर, बाबा गरीब नाथ की ओर लग गई। श्रद्धालुगण भगवान के दर्शन करने लाईन में डटे अपनी बारी की इंतजार करते रहे। यह सिलसिला तड़के तीन बजे से जारी रहा है। वैसे महाशिवरात्रि पर्व में स्नान के बाद दीपदान करने की परंपरा कई सौ वर्षों पहले से ही चली आ रही है। इस परंपरा और श्रद्धा का पालन आज भी श्रद्धालुगण करते देखा गया है। नदी की धार में दोने में रखा दीपक की लौ किसी जुगनू की भांति चमकती नजर आई। कई महिलाओं ने रेत का शिवलिंग बना कर बहुत ही श्रद्धा के साथ बेल पत्ता, धतुरा के फूल चढ़ाकर आरती भी किया। मान्यता के अनुसार यहां कई भक्त नदी अपने मासूम बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया है। श्रीकुलेश्वर मंदिर क्षेत्र में जगह-जगह पंडितों का हुजुम भी लगा हुआ था, जहां भगवान श्री सत्यनारायण और शिवजी की कथा भी श्रद्धालुजन करा रहे थे।

पर्व स्नान करने उमड़ी नागा, साधु-संतों की भीड़ अस्त्र-शस्त्रों के साथ किया शौर्य प्रदर्शन

राजिम। राजिम माघी पुन्नी मेला 2023 के अंतिम दिवस महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नागा बाबाओं, विभिन्न अखाड़ों के साधुओं, कबीर पंथीयो द्वारा पर्व स्नान के लिए शोभायात्रा लोमष ऋषि आश्रम परिसर से निकाली गई। इस शोभा यात्रा में समस्त नागा, साधु-संतों के साथ प्रशासन के अधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। शोभायात्रा लोमष ऋषि आश्रम से शुभारंभ होकर श्रीकुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर से नेहरू बाल उद्यान होते हुए, राजिम पुल, पं. सुंदरलाल शर्मा चौक, गौरवपथ राजिम, व्हीआईपी मार्ग होते हुए मेला में बने कुंड में पहुंचे। शोभायात्रा का स्वागत दोनों शहर नवापारा और राजिम में विभिन्न चौक चौराहों में फूलमालाओं बरसा कर किया गया। शोभायात्रा में विभिन्न चौक में अनेकों अस्त्र-शस्त्रों से लैस नागा बाबाओं, साधु-संतों का शौर्य प्रदर्शन करते हुए अखाड़े चलाते रहे। शोभायात्रा शाही कुंड के पास पहुंचा, जहां शस्त्र पूजन पश्चात सर्वप्रथम नागा बाबाओं ने कुंड में छलांग लगाई और शाही स्नान की प्रक्रिया पूरा की। स्नान करने विभिन्न अखाड़ों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस विहंगम दृष्य को देखने विदेशी सैलानियों के अलावा पुरे मेला क्षेत्र एवं कुंड के पास बड़ी संख्या श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थी की भीड़ उमड़ी हुई थी। स्नान के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस विभाग द्वारा तगड़ी व्यवस्था की गई थी।

ज्वालेश्वर महादेव पर जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भीड़

कवर्धा। शनिवार को महाशिवरात्रि था। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा आराधना के लिए श्रद्धालुओं का जमावड़ा सभी शिव मंदिरों में देखा जा रहा है। कवर्धा जिले के डोंगरिया गांव में ज्वालेश्वर महादेव में महाशिवरात्रि पर विशेष पूजा अर्चना का महत्व है, छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश सीमा पर छत्तीसगढ़ के ज्वालेश्वर महादेव के दर पर सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा है। धर्म-आस्था पर्यटन की नगरी अमरकंटक जाने के मुख्य मार्ग पर स्थित ज्वालेश्वर महादेव के बारे में मान्यता है कि भगवान शिव ने स्वयं इस मंदिर को स्थापित किया था। पुराणों में इस स्थान को महारूद्र मेरु कहा गया है। ज्वालेश्वर महादेव मंदिर की बहुत अधिक मान्यता है। यहां स्थापित बाणलिंग की कथा का जिक्र स्कंद पुराण में है। इस बाणलिंग पर दूध और शीतल जल अर्पित करने से सभी पाप, दोष और दुखों का नाश हो जाता है। घने वनों के बीच बसे अमरकंटक तीर्थ के विषय में मान्यता है कि यहां के कण-कण में शिव का वास है। यहां कई प्राचीन शिव मंदिर हैं। कहा जाता है कि भगवान शिव ने स्वयं इस मंदिर को स्थापित किया था। पुराणों में इस स्थान को महा रूद्र मेरु कहा गया है। ज्वालेश्वर महादेव मंदिर की बहुत अधिक मान्यता है। पौराणिक कथा के अनुसार बली का पुत्र बाणासुर अत्यंत बलशाली और शिव भक्त था। बाणासुर ने भगवान शिव की तपस्या कर वर मांगा कि उसका नगर दिव्य और अजेय हो। भगवान शिव को छोड़कर कोई और इस नगर में ना आ सके। इसी तरह बाणासुर ने ब्रह्मा और विष्णु भगवान से भी वर प्राप्त किए।

प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कर रहे कार्य : उमेश पटेल

उच्च शिक्षा मंत्री ने विभिन्न गांवों में जनसंपर्क के लिए पहुंचे, विकास कार्यों का किया लोकार्पण

रायगढ़। उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल आज रायगढ़ विकासखंड के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क के लिए पहुंचे। उन्होंने रायगढ़ ब्लॉक के सांगीतराई, केनापाली, ठाकुरपाली और औराभांठा गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों का लोकार्पण करने के साथ ही नए कार्यों की घोषणा भी की।

उच्च शिक्षामंत्री ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ ही प्रदेश के पारंपरिक तीज त्यौहारों और खानपान को बढ़ावा देकर समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कार्य कर रही है। आने वाली पीढ़ियों को लोक पर्वों से जोड़ने त्योहारों पर अवकाश घोषित करने और पूरे रीति रिवाजों के साथ मनाने की शुरुआत की है। पिछले 4 वर्षों के दौरान ऐसी योजनाएं बनाकर क्रियान्वित की गई जिसका सभी वर्गों को लाभ मिला।

गांव में गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं को विभिन्न योजनाओं से जोड़ कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया है। शासन में आते ही वृहत कर्जमाफी का कार्य किया। आज कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में किसानों को उनकी फसलों की उचित कीमतें मिल रही है। समर्थन मूल्य के साथ आदान सहायता बोनस से अब धान के लिए किसानों को 2640 रुपए प्रति क्विंटल मिल रहा है। यह पूरे देश में सर्वाधिक है। धान के साथ दूसरी फसलों के लिए भी इनपुट सब्सिडी बोनस मिल रहा है। यह पिछले चार वर्षों से लगातार जारी है। एक ओर जहां किसानों की

आर्थिक उन्नति के लिए योजनाएं चल रही हैं वहीं भूमिहीन श्रमिकों को सालाना 7 हजार रुपए की सहयोग राशि दी जा रही है। बच्चों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नींव मजबूत करने के उद्देश्य से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले गए हैं। जहां बच्चे सरकारी स्कूल की फीस में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कर रहे हैं। जिला और ब्लॉक में इन स्कूलों को खोलने के साथ आगे विस्तार कर स्कूलों की संख्या बढ़ाई जा रही है। जिससे स्थानीय प्रतिभाएं प्रादेशिक व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। अधिकारियों-कर्मचारियों की मांग पर पुरानी पेंशन स्कीम की फिर से प्रदेश में शुरुआत की गई है। युवाओं में नेतृत्व कौशल विकसित करने राजीव युवा मितान क्लब खोले गए हैं जिसके माध्यम से उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में जोड़ा जा रहा है। समर्थन मूल्य में खरीदी होने वाले वनोपजों की संख्या बढ़ाकर संग्राहकों को आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है।

उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने इस दौरान ग्राम ठाकुरपाली में 15 लाख रुपए की लागत से बने प्राथमिक शाला भवन का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम औराभांठा में सीसी रोड, नाली, पचरी निर्माण, पानी टंकी, बोर खनन एवं मुक्ति धाम निर्माण का लोकार्पण किया। उन्होंने ग्राम सांगीतराई में सांस्कृतिक भवन निर्माण की घोषणा की।

उच्च शिक्षामंत्री पटेल ने कहा कि जनसंपर्क के माध्यम से लोगों से सीधे संवाद होता है और उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को जानने का मौका मिलता है। जिससे आगे स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों की रूपरेखा बनाई जा सके। इस मौके पर ग्रामवासियों ने उन्हें विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया। उच्च शिक्षा मंत्री पटेल ने अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, दिलीप पटेल, जनपद उपाध्यक्ष चंचला पारस साव, पूर्व जनपद अध्यक्ष कन्हैया चरण पटेल, सरपंच रविशंकर सिदार सहित अन्य जनप्रतिनिधि व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मुस्लिम महिला ने की शिव मंदिर में पूजा

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद में महाशिवरात्रि पर शहर की एक मुस्लिम महिला ने सनातन धर्म स्वीकार कर लिया। शबनम शनिवार को अपने पति के साथ शिव मंदिर पहुंची और पूजा-आरती की। उन्होंने खुद ही अपना नामकरण रानी गौर के तौर पर किया। कहा कि अब वह सनातन संस्कृति से काफी प्रेरित हैं। इसके चलते हिंदू धर्म मे प्रवेश कर रही हैं। उनके पति का नाम मनोज गौर है। ऐसे में वह अपना मुस्लिम धर्म छोड़ रही हैं। वह अपने पति के साथ उनके धर्म में रहकर जीवन यापन करना चाहती हैं।

दरअसल, रानी गौर उर्फ शबनम शहर का चर्चित नाम है। वह कई सालों से हिंदुओं के त्योहारों और व्रतों पर पोस्टर-बैनर लगवाती आ रही हैं। हर बैनर और पोस्टर पर उनका नाम और चेहरा होता है। पांडे पारा स्थित शिव मंदिर में पहुंची रानी गौर ने दीप जलाए, पूजा- पाठ और फिर आरती की। कहा कि, सनातन संस्कृति सबसे पुरानी संस्कृति है। इसे ही प्रेरणा बनाकर आगे बढ़ना चाहती हूं। वह पशुपति नाथ भगवान शिव का हमेशा से व्रत करती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि विधि-विधान से हिंदू धर्म में प्रवेश कर रही हूं।

शबनम उर्फ रानी ने महाशिवरात्रि के पर्व के दौरान मंदिर में पहुंचे भक्तों से कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र बनना चाहिए। सभी को इस बात की शपथ लेनी चाहिए कि हम भारत को हिंदू राष्ट्र बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति ही सबसे पुरानी संस्कृति है और इसी से ही देश का भला हो सकता है। उन्होंने हिंदू धर्म के लोगों को यह संदेश दिया कि आप सनातन संस्कृति में ही जुड़े रहें। किसी और धर्म में अपना परिवर्तन ना करें। इससे बेहतर धर्म कुछ नहीं हो सकता। इस दौरान हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। विश्व हिंदू परिषद के जिला महामंत्री सतीश विश्वकर्मा कहा कि, बड़े हर्ष का विषय है कि हमारी बहन शबनम पुरातन संस्कृति में प्रवेश कर रही हैं। हमारा केवल इनके साथ यह योगदान है कि हम अपनी संस्कृति का प्रचार-प्रसार करते हैं।

कलेक्टर को देना चाहिए भूमि अधिकार : राकेश टिकैत

दुर्ग। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत 5 दिनों के प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे थे, जहां उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों से लेकर तहरी क्षेत्रों में कई सभाओं को संबोधित किया। शनिवार वह दुर्ग जिले के दौरे पर थे, जहां वह चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज से निकाले गए श्रमिकों से मिलने कुरूद पहुंचे।

उन्होंने श्रमिकों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग सरकार के पास रखेंगे, दुर्ग जिले के दौरे पर पहुंचे राकेश टिकैत ने अपने पांच दिनों के दौरान मिले अनुभव को साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में किसानों को लेकर कई समस्याएं हैं। जिसे सरकार को दूर करने की जरूरत है। राकेश टिकैत ने कहा धान की खरीदी और समर्थन मूल्य में वृद्धि होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक जंगलों की कटाई की जा रही है, यहां प्रदूषण का मामला है। इसलिए एनजीटी वाले यहां पहुंचते हैं।

दुर्ग के रिसामा में आयोजित युवा किसान संसद को सम्बोधित करने दुर्ग पहुंचे, राकेश टिकैत ने प्रदेश में भूमि अधिग्रहण कानून को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा, उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को भूमि अधिकार जिला कलेक्टरों को देनी चाहिए। जिलों में ही भूमि का मूल्य तय होना चाहिए। टिकैत ने कहा कि इस मामले पर भी सरकार को नए कानून बनाने चाहिए राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार से इन विषयों पर बात की जाएगी।

राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि देश में फसलों के दाम, जमीन की सुरक्षा, एमएसपी गारंटी कानून, स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट का मुद्दा आज भी है। वहीं, आज भारत सरकार ने किसानों का कर्जा बढ़ा दिया है। 20 लाख करोड़ रुपये का कर्जा देश पर है। केंद्र सरकार के हाथ में कोर्ट कचहरी सब कुछ है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कर्नाटक से भारत भ्रमण की पदयात्रा में निकले कृष्णा भोपालपटनम पहुंचे

बीजापुर। मैसूर जिले के ग्राम उद्दूर निवासी 29 वर्षीय कृष्णा कर्नाटक से भारत भ्रमण की पदयात्रा में निकले है। 16 अक्टूम्बर 2022 को अपने घर ग्राम उद्दूर से निकलकर शनिवार को भोपालपटनम पहुंचे, वे हाथ मे तिरंगा झंडा लिए भारत भ्रमण निकले हैं। भारत भ्रमण में इनको दो वर्ष का समय लग जायेगा। यात्रा में इनका मकशद है कि युवा व बच्चो को योग और पर्यावरण के बारे में बताना है, कृष्णा नेशनल हाइवे के किनारे के स्कूल कालेजों में जाकर जानकारी दे रहे है। भारत भ्रमण के पदयात्री कृष्णा ने बताया कि उनको 15 हजार किलोमीटर का सफर तय करना है, वे प्रतिदिन 30 किलोमीटर तक का सफर तय करते है। अब तक तीन हजार किलोमीटर पैदल चल चुके है और बाकी का सफर तय करना है। उन्होने बताया कि देश में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी है। लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुक करने, ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने, प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने की जानकारी दे रहे है।

आबकारी विभाग ने अवैध महुआ शराब किया नष्ट

रायगढ़। सचिव सह आबकारी आयुक्त निरंजन दास एवं प्रबंध संचालक सीएसएमसीएल ए.पी.त्रिपाठी के द्वारा दिए गए निर्देश के तारतम्य में जिला रायगढ़ में अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाहियां जारी हैं। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा एवं सहायक आयुक्त आबकारी रामकृष्ण मिश्रा के निर्देश पर शराब की अवैध बिक्री के विरूद्ध आबकारी वृत्त रायगढ़ (उत्तर)के प्रभारी द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। जंगल में भारी मात्रा में अवैध मदिरा निर्माण की सूचना मिलने पर रेगड़ा नाला के किनारे जंगल में भारी मात्रा में 300 लीटर अवैध महुआ शराब एवं 300 बोरी महुआ लाहन (9 हजार किलो ग्राम) तथा मदिरा बनाने का उपकरण को नष्ट किया गया। उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक हाबिल खलखो एवं घरघोड़ा वृत्त प्रभारी रमेश सिंह सिदार द्वारा की गई। इस मौके पर हमराह स्टाफ राजकुमार कश्यप, तुलेश्वर राठौर, राजेश्वर ठाकुर, नेल्सन लाबेट, नाथालियन बखला, अन्नू ठाकुर, सरोज कंवर एवं मकबूल अली, ठंडाराम यादव उपस्थित रहे।

महामृत्युंजय मंदिर में विशाल भंडारा आज

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के आवासीय परिसर स्थित महामृत्युंजय मंदिर में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में 19 फरवरी रविवार को विशाल भंडारा का आयोजन, आयोजन समिति द्वारा किया गया है, भंडारा दोपहर 01 बजे से प्रारंभ होगा, जहाँ पर श्रद्धालुजन अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए प्रसाद ग्रहण करेंगे। निहारिका सुभाषनगर स्थित नगर पालिक निगम कोरबा के आवासीय परिसर में भगवान महामृत्युंजय मंदिर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पांच दिवसीय सुंदर धार्मिक आयोजन रखा गया है, महाशिवरात्रि महोत्सव के अंतिम दिवस 19 फरवरी रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन विगत वर्षों की भांति किया जाएगा, भंडारे की शुरूआत दोपहर 01 बजे होगी। आयोजन समिति द्वारा नगर के श्रद्धालुजनों से आग्रह किया गया है कि वे उक्त विशाल भंडारे में अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए प्रसाद ग्रहण करें।

अग्निवीर भर्ती रैली के लिए आवेदन 15 मार्च तक

जगदलपुर। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के अनुसार अग्निवीरों की भर्ती के लिए आवेदन 15 मार्च तक आमंत्रित किए गए हैं। भारतीय थल सेना की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपसंचालक रोजगार आरपी नेताम ने बताया कि अग्निवीर की भर्ती जनरल तकनीकी क्लर्क ट्रेडमैन दसवीं पास और ट्रेडमैन आठवीं पास के पदों के लिए जारी की गई है। सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 16 फरवरी 2023 से 15 मार्च 2023 तक खुली रहेगी। भारतीय थल सेना की वेबसाइट पर आवेदन करने के साथ ही अग्निवीर ऑनलाइन परीक्षा (सीसीई) के लिए आवेदकों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से राशि 02 सौ पचास रुपये की शुल्क भी जमा करना पड़ेगा। ऑनलाइन परीक्षा के लिए सेना ने एजुकेशन कंसलटेंट इंडिया लिमिटेड (ईडीसीआईएल) से अनुबंध किया है।

नक्सल प्रभावित डब्बामरका में सीआरपीएफ ने चलाया जागरूकता अभियान

सुकमा। जिले के धुर नक्सल प्रभावित डब्बामरका में सीआरपीएफ 208 और 212 वाहिनी ने डीआईजी सुनील राय की अध्यक्षता और कमांडेंट जितेंद्र कुमार ओझा की उपस्थिति में जन जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर ग्राम डब्बामरका के लोगों के जन कल्याण हेतु खाद्य सामग्री, खेल कूद का सामान, कपडे एवं बच्चो के लिए शिक्षा संबंधी सामान आदि का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त गांव के बीमार लोगों के इलाज के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। लोगों का इलाज कर उन्हें दवाईया उपलब्ध करवाई गई। ज्ञात हो की अभी तक डब्बामरका गांव नक्सलियों से प्रभावित होने के कारण मुख्य धारा से कटा हुआ था। इसी माह 12 फरवरी से यहां सुरक्षा बल कैंप स्थापित गया है। इस अवसर पर ग्राम पटेल एवं डब्बामरका के लोगों ने नक्सल विचारधारा को छोड़कर मुख्यधारा का रास्ता अपनाकर देश के विकास में शामिल होने का आह्वान भी किया गया।

विधायक ने तीन नए शव वाहन को दिखाई हरी झंडी

जगदलपुर। जगदलपुर में चित्रकोट विधायक ने ग्रामीण जिला अध्यक्ष के साथ शनिवार सुबह मेडिकल कॉलेज डिमरापाल से तीन शव एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मेकाज से रोजाना आधा दर्जन से अधिक शवों को रोजाना निशुल्क गृह ग्राम तक पहुंचाया जाता है। तीन नए वाहन मिलने से पीड़ितों को संबल मिलेगा। इस दौरान मेकाज डीन के साथ ही अस्पताल अधीक्षक भी मौजूद रहे।

मेकाज में चलने वाली मुक्तांजलि शव वाहन योजना लंबे समय से चली आ रही है। यह वाहन ना सिर्फ बस्तर बल्कि 7 जिलों के अंदुरूनी इलाको से आने वाले ग्रामीणों के शव को निशुल्क गृहगाम तक भिजवाने का काम करती है। कई वाहनों

के कंडम हो जाने के बाद नई वाहनों की मांग की गई थी।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तीन नए शव वाहन दिए गए। इस वाहन को हरी झंडी दिखाने के लिए चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, ग्रामीण जिला अध्यक्ष बलराम मौर्य, मेकाज डीन डाक्टर यू एस पैकरा, मेकाज अधीक्षक डॉक्टर अनुरूप साहू, मेकाज स्टाफ मौजूद रहे।

शव वाहन को हरी झंडी दिखाने के बाद विधायक राजमन बेंजाम ने कहा की बस्तर के सबसे बड़े हॉस्पिटल में अपना इलाज कराने आने वाले ग्रामीणों को ना सिर्फ यहाँ मुफ्त में इलाज मिलता है, बल्कि इस हॉस्पिटल में बड़े से बड़ा आपरेशन जो बड़े शहरों में लाखो रुपए में किया जाता है वो भी निशुल्क किया जाता है। ऐसे कई मामले है जहां मरीजों को रेफर करने के बजाय यही पर बेहतर उपचार मिल जाता है, इन सबके अलावा अगर किसी मरीज की मौत हो जाती है तो ऐसे में मुकांजली वाहन चालकों के द्वारा इनके शव को निशुल्क घर तक पहुंचाने में मदद करते है।

अक्टूबर तक 18 वर्ष पूर्ण करने वालों के नाम मतदाता सूची में जोड़ा जायेगा

कांकेर। जिले में मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु आगामी अक्टूबर 2023 तक 18 वर्ष पूर्ण करने वाले सभी युवक-युवतियों का नाम विद्यालय एवं महाविद्यालय में फार्म भरवाने के लिए कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये हैं। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को प्रत्येक विकासखण्ड में पांच-पांच नरवा का चिन्हांकन करने तथा निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों को शीघ्र पूरा करने के लिए भी निर्देशित किया है। जिले के सभी गौठानों में गोबर की खरीदी सुनिश्चित करने, वर्मी कम्पोस्ट बनाने और उसका विक्रय करने के लिए निर्देश दिये गये। सभी विभागों को आबंटित लक्ष्य की पूर्ति मार्च माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने एवं कार्यालयों में निराकरण के लिए लंबित आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए शीघ्र निराकरण करने के निर्देश सभी जिला अधिकारियों को दिये गये हैं। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना अंतर्गत मरीजों का उपचार एवं आयुष्मान कार्ड बनाने की समीक्षा भी कलेक्टर द्वारा की गई तथा आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए पंजीयन शिविर का गांवों में मुनादी कराने हेतु सभी तहसीलदारों को निर्देश दिये गये हैं।

कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत् कचरा शेड पृथ्वीकरण निर्माण, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण की भी समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। बैठक में वन मंडलाधिकारी कांकेर, पश्चिम भानुप्रतापपुर शशिगानंदन, जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम भानुप्रतापपुर आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मोदी पर बयान को लेकर सोरोस पर जयशंकर का पलटवार

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस के पीएम नरेंद्र मोदी पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर उन्हें आड़े हाथों लिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, सोरोस मानते हैं कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लेकिन प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक नहीं है। उन्होंने सोरोस की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए आगे कहा कि कुछ समय पहले ही उन्होंने हम पर आरोप लगाया था कि हम करोड़ों मुस्लिमों की नागरिकता छीनने की कोशिश कर रहे हैं, जो कि जाहिर तौर पर नहीं हुआ। सोरोस को आड़े हाथों लेते हुए जयशंकर ने कहा- मैं कह सकता हैं कि मिस्टर सोरोस एक बुजुर्ग, अमीर और राय रखने वाले व्यक्ति हैं, जो कि अभी भी न्यूयॉर्क में बैठे हैं और सोचते हैं कि उनके विचारों से फैसला होना चाहिए कि पूरी दुनिया कैसे चलेगी। उन्होंने कहा कि 'मैं सोरोस को सिर्फ बुजुर्ग, अमीर और राय रखने वाला कहकर रुक सकता हूं। लेकिन वे बुजुर्ग, अमीर और राय रखने वाले के साथ खतरनाक भी हैं।

सीबीआई ने सिसोदिया को पूछताछ के लिए बुलाया

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में आरोपपत्र दायर करने के करीब तीन महीने बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपपत्र में सिसोदिया को आरोपी नहीं बनाया गया है क्योंकि उनके और अन्य संदिग्धों के खिलाफ जांच अब भी जारी है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के पास आबकारी विभाग का प्रभार भी है। सिसोदिया से इससे पहले पिछले साल 17 अक्टूबर को पूछताछ हुई थी और मामले में उनके घर एवं बैंक के लॉकरों की तलाशी ली गई थी। एक अधिकारी ने कहा, 'दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 को बनाने और इसे लागू करने में बड़ी साजिश तथा मामले में धन कहां से आया कहां गया इस संबंध में आगे की जांच जारी है।'

भाजपा ने ईसी, ईडी और सीबीआई को बनाया अपना चुनावी टूलकिट : प्रियंका

मुंबई। निर्वाचन आयोग के आदेश को लेकर उद्धव ठाकरे गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, भाजपा ने चुनाव आयोग, ईडी और सीबीआई को अपना चुनावी टूलकिट बना लिया है और अब उनका अगला लक्ष्य न्यायपालिका है। कानून मंत्री और राज्यसभा के सभापति न्यायपालिका को चुनौती देते रहते हैं। इसलिए लोकतंत्र की रक्षा करना सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र एजेंसियों को देखना आश्चर्यजनक है, जो लोकतंत्र और कानून की रक्षा के लिए स्थापित की गई थी, जो इतना नीचे गिर रही है और उन लोगों का पक्ष ले रही है जिन्होंने एक राजनीतिक दल को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग पूरी तरह से समझौता किया गया संस्थान है।

मेयर चुनाव के लिए केजरीवाल ने एलजी को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 22 फरवरी को दिल्ली के महापौर चुनाव कराने के लिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को प्रस्ताव भेजा है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महापौर, उप महापौर, स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव की तारीख तय करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की पहली बैठक बुलाने को लेकर 24 घंटे के भीतर नोटिस जारी करने का आदेश दिया था। एमसीडी के नवनिर्वाचित सदन की पहली बैठक छह जनवरी को आप और भाजपा सदस्यों के बीच झड़पों के बीच स्थगित कर दी गई थी। चार दिसंबर को हुए निगम चुनावों के दो महीने के अंतराल और सत्तारूढ़ व विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक घमासान के बाद दिल्ली में जल्द महापौर का चुनाव होगा। शीर्ष अदालत के आदेश से महापौर चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

कर्नाटक में कांग्रेस का 'कान पर फूल' अभियान शुरू

बेंगलुरु। कांग्रेस ने कर्नाटक में चुनाव प्रचार तेज कर दी है। बेंगलुरु और दक्षिण कन्नड़ जिलों में बीजेपी के पोस्टर पर 'कीवी मेले हूवा' (कान पर फूल) चिपकाकर भाजपा के खिलाफ पोस्टर युद्ध शुरू कर दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब कांग्रेस के विधायकों ने सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा किए गए वादों को पूरा नहीं करने के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए एक दिन पहले विधानसभा के अंदर अपने कानों पर फूल लगाये थे। कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि पार्टी ने अब सड़कों पर उतरकर 'कीवी मेले हूवा' अभियान तेज कर दिया है। उसने कहा, आज सुबह बेंगलुरु शहर और मंगलोर के कई हिस्सों में कीवी मेले हूवा के पोस्टर भाजपा की अचीवमेंट वॉल (उपलब्धि दीवार) पेंटिंग और पोस्टर के ऊपर देखे जा सकते हैं।

दिल्ली से सक्रिय हुए लालू यादव, लेफ्ट के बड़े नेता की राजद सुप्रीमो से मुलाकात

विपक्ष का भाजपा के खिलाफ महागठजोड़ की तैयारी

पटना। देश में होनेवाले लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दलों के बीच एकजुटता कायम करने मुहिम अब तेज हो गयी है। इसको लेकर न सिर्फ नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और केसीआर जैसे नेता पहल कर रहे हैं, बल्कि बीमार अवस्था में भी किंग मेकर रहे लालू यादव इसके लिए विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी ने उनसे उनके दिल्ली आवास पर जाकर मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच मुख्य रूप से 2024 में विपक्ष को एकजुट करने पर ही बातचीत होने की बात कही जा रही है।

पिछले दिनों ही सिंगापुर से वापस लौटे राजद सुप्रीमो लालू यादव दिल्ली स्थित मीसा भारती के आवास पर स्वास्थ्य लाभ

ले रहे हैं। राजद सूत्रों की मानें तो राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी हुई यह बैठक घंटों चली है। इस दौरान इनलोगों से आगामी लोकसभा और बिहार विधानसभा चुनाव की रणनति को लेकर भी बातचीत की है। इसके साथ ही इन लोगों से इस बात पर भी चर्चा की कैसे 2024 में मोदी सरकार को गद्दी से हटाने के लिए विपक्षी एकजुटता को साथ लाया जाये और जो बात नीतीश कुमार कह रहे हैं उसमें मजबूती प्रदान किया जाये। इस दौरान बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी मौजूद रही। लालू और येचुरी के इस मुलाकात के कुछ घंटों ही पटना में भाकपा-माले के राष्ट्रीय महाधिवेशन के मंच से नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस को पहल करने की बात कही है। वामपंथी दल बार बार इस बात को दोहराते रहे हैं कि भाजपा और कांग्रेस से अलग मोरचा तैयार किया जाये। ऐसे में लालू यादव का येचुरी से मुलाकात और नीतीश का राहुल से आग्रह विपक्षी एकता के लिए हो रहे प्रयास को दिखाता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वामदल अगर कांग्रेस के साथ एक मोरचे में आ जाते हैं तो संभव है भाजपा के लिए जिस महागठजोड़ की बात की जा रही है वो तैयार हो जाये।

भाजपा ने साधा नीतीश पर निशाना

विपक्ष की ओर किये जा रहे इस पूरी कवायद पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी सरकार के मंत्री और बेगूसराय के भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कहा है कि जब केसीआर बिहार गये थे तो केसीआर के मन में था कि नीतीश कुमार उन्हें प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बना दे और नीतीश के मन में था कि केसीआर उन्हें उम्मीदवार बना दे। ये लालू जी के साथ कांग्रेस से भी मिल चुके हैं, लेकिन इन्हें निराशा ही हाथ आयी। गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि उनके मन में प्रधानमंत्री बनने के लिए लड्डू फूट रहे हैं।

शिवसेना का चुनाव चिन्ह छीनने के बाद उद्धव ठाकरे ने कहा

'धनुष-बाण' चिह्न चुरा लिया गया चोर को सबक सिखाना जरुरी

मुंबई। शिवसेना(यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए अपने समर्थकों से कहा कि पार्टी का 'धनुष-बाण' चिह्न चुरा लिया गया है और चोर को सबक सिखाने की जरूरत है। उद्धव पार्टी के नेताओं के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करने से पहले यहां बांद्रा स्थित अपने आवास 'मातोश्री' के बाहर समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने शुक्रवार को 'शिवसेना' नाम और 'धनुष-बाण' चिह्न शिंदे नीत खेमे को आवंटित कर दिया।

यह पहला मौका है, जब ठाकरे परिवार ने पार्टी पर अपना नियंत्रण खो दिया है, जिसकी स्थापना बाल ठाकरे ने 1966 में की थी। उद्धव ने कहा, ''धनुष-बाण (चिह्न) चुरा लिया गया है। चोर को सबक सिखाने की जरूरत है। वे पकड़े गये हैं। मैं चोर को धनुष-बाण के साथ मैदान में आने की चुनौती देता हूं और हम इसका मुकाबला मशाल से करेंगे।'' उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल उद्धव नीत खेमे को मशाल चिह्न आवंटित किया गया था।

काफी संख्या में उद्धव के समर्थक मातोश्री के बाहर एकत्र हुए और शिंदे के विरोध में तथा अपने नेता (उद्धव के) समर्थन में नारे लगाये। एक सूत्र ने बताया कि उद्धव ने अपनी पार्टी के नेताओं से राज्य का दौरा करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने को कहा।

जॉर्ज सोरोस के सहयोगी भारत जोड़ो में राहुल गांधी के साथ चले

नई दिल्ली। अडानी विवाद को लेकर अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस की मोदी सरकार पर टिप्पणी को लेकर भाजपा उनपर हमलावर है। इस बीच सत्तारूढ़ दल बीजेपी कांग्रेस को जॉर्ज सोरोस के साथ जोड़ रही है। कांग्रेस ने टिप्पणी से खुद को दूर कर लिया है लेकिन अब बीजेपी नेताओं ने भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ सलिल शेट्टी की तस्वीरें साझा कीं। सलिल जॉर्ज सोरोस द्वारा समर्थित ओपन सोसाइटी फ़ाउंडेशन के वैश्विक उपाध्यक्ष हैं।

गौरव भाटिया और शहजाद पूनावाला ने सलिल शेट्टी की राहुल गांधी के साथ चलने की तस्वीर साझा की और जॉर्ज सोरोस के साथ कांग्रेस के रिश्ते पर भी सवाल उठाया। सलिल सीएए विरोधी प्रदर्शनों में

शामिल थे और उन्होंने फाइजर और मॉडर्ना के टीकों के लिए वकालत की थी, यह दावा किया गया है कि उनके पुराने ट्वीट्स को खोदकर निकाला गया है। वहीं कांग्रेस नेता चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि जॉर्ज सोरोस ने जो कहा उससे वह सहमत नहीं हैं, लेकिन उनकी टिप्पणी को भारत में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को गिराने का प्रयास के रूप में लेबल करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता तय करेगी कि भारत सरकार में कौन रहेगा और कौन बाहर होगा। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल हुए।

राहुल गांधी विपक्षी एकजुटता में देरी ना करे: नीतीश कुमार

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2024 में भाजपा को सत्ता से दूर रखने का मार्ग बताते हुए कहा है कि इसके लिए व्यापक विपक्षी एकता की जरुरत है। सब एकजुट हुए तो बीजेपी 100 सीट के नीचे निपट जाएगी। पटना में भाकपा-माले के राष्ट्रीय कन्वेंशन को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि अब कांग्रेस को आगे का फैसला करना चाहिए। राहुल गांधी विपक्षी एकजुटता में देरी ना करे। उन्होंने कहा कि हम तो इंतजार कर रहे हैं, हम तो दिल्ली जाकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मिले थे। शनिवार को भाकपा माले के अधिवेशन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य भी शामिल हुए।

पटना के एसकेएम हॉल में माले के 11वां राष्ट्रीय महाधिवेशन को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में कांग्रेस को ही निर्णय लेना होगा कि 2024 में विपक्ष की क्या रणनीति होनी चाहिए और विपक्षी एकता को किस तरह से मजबूत करना चाहिए। यदि कांग्रेस इस बात पर तैयार हो जाए तो 2024 में भाजपा 100 सीटों के अंदर सिमट कर रह जाएगी। इस पर सलमान खुर्शीद ने भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जी जो आप सोचते हैं, वो कांग्रेस भी सोचती है। बस बात इतनी सी है कि पहले आई लव यू कौन कहेगा। राष्ट्रीय महाधिवेशन को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में विपक्षी दल एकजुट होकर काम कर रहे हैं। जब एनडीए से अलग हुए तो सभी विपक्षी दल के नेताओं ने स्वागत किया। 2024 में सभी विपक्षी दल एकजुट होकर लड़ेंगे, तभी भाजपा का सफाया होगा। आज आजादी की लड़ाई का इतिहास बदलने का प्रयास हो रहा, सभी धर्म और जाति के लोगों को लेकर साथ चलना होगा। नीतीश कुमार ने कहा कि नेतृत्व को लेकर उनकी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि हम तो केवल बदलाव चाहते हैं। जो सब तय करें वही होगा।

नीतीश कुमार ने कहा कि चुनाव से पहले प्रधानमंत्री पद को लेकर कोई भी विवाद नहीं होना चाहिए। किसी एक चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल बस इस उद्देश्य से चुनाव लड़े कि भाजपा को हराना है और जब भाजपा हार जाएगी और विपक्षी एकता जीत जाएगी तो मिल बैठकर प्रधानमंत्री के चेहरे का फैसला कर लिया जाएगा। अब ऐसे में कांग्रेस इस बात को लेकर अपनी सहमति नहीं दी थी। नीतीश कुमार बार-बार कह रहे हैं कि कांग्रेस को फैसला लेना है, और यदि कांग्रेस फैसला ले ले तो आगे का राह आसान हो जाएगा। ऐसे में कांग्रेस के सलमान खुर्शीद ने कहा कि हम आपकी बात को आलाकमान तक पहुंचा देंगे, मैं एक वकील हूं, आपकी वकालत कर दूंगा।

खेल
प्रमुख समाचार

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया 62 रन से आगे

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में दो दिन का खेल खत्म हो चुका है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 263 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 262 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में एक रन की बढ़त मिली। वहीं, दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 61/1 है। कंगारू टीम भारत से 62 रन आगे और उसके नौ विकेट बचे हुए हैं, जबकि मैच में तीन दिन का खेल बाकी है।

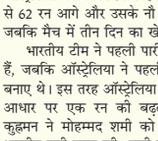

भारतीय टीम ने पहली पारी में 262 रन बनाए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 263 रन बनाए थे। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर एक रन की बढ़त मिली है। मैथ्यू कुह्नमन ने मोहम्मद शमी को क्लीन बोल्ड कर भारतीय पारी खत्म की। शमी ने नौ गेंद में दो रन बनाए। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा कर भारत के सामने बड़ा लक्ष्य रखने की कोशिश करेगी। वहीं, भारत ऑस्ट्रेलिया को छोटे से छोटे स्कोर पर समेटना चाहेगा। चौथी पारी में टीम इंडिया के लिए 150 रन से ज्यादा के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट 23 रन पर गिरा है। रवींद्र जडेजा की गेंद पर श्रेयस अय्यर ने शानदार कैच पकड़कर पहली पारी के हीरो उस्मान ख्वाजा को चलता किया। उस्मान ख्वाजा ने 13 गेंद में छह रन बनाए। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक तेजी से रन बनाए हैं और मैच के तीसरे दिन भी कंगारू टीम बड़ा स्कोर खड़ा करना चाहेगी। अगर भारत के सामने 200 रन का लक्ष्य रहता है तो टीम इंडिया को चौथी पारी में इसे हासिल करने में परेशानी आ सकती है। कंगारू टीम यह समझ चुकी है कि स्पिन पिच पर उनके बल्लेबाजों के लिए लंबी पारी खेलना मुश्किल है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

अदाणी प्रकरण से आगे की सोच रहे निवेशक

नई दिल्ली। भारतीय शेयरों के बारे में अब निवेशक अदाणी प्रकरण से आगे की सोच रहे हैं। स्थानीय मुद्रा प्रबंधक आने वाले वर्ष के लिए बाजार को लेकर आशावादी हैं। विदेशी फंड्स ने भी 3.1 ट्रिलियन डॉलर के भारतीय इक्विटी बाजार में वापस आना शुरू कर दिया है। जनवरी में लगातार दूसरे महीने पिछड़ने के बाद शेयर बाजार का एक प्रमुख बेंचमार्क एक बार फिर से ऊपरी स्तर की ओर बढ़ रहा था उसी अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से अदाणी समूह के संबंध में एक रिपोर्ट सार्वजनिक की गई जिससे बाजार की धारणा व्यापक रूप से बदल गई। हालांकि इसके बावजूद ब्लूमबर्ग न्यूज के एक सर्वेक्षण के अनुसार फंड मैनेजरों को लगता है कि भारतीय बाजार के दोनों मुख्य इक्विटी इंडेक्स मौजूदा स्तरों की तुलना में वर्ष के अंत में ऊपर होंगे क्योंकि मजबूत घरेलू मांग से कंपनियों की आय बढ़ेगी इससे बाजार को सहारा मिलेगा।

कतर ने भारत से फ्रोजेन सी फूड के आयात पर बैन हटाया

नई दिल्ली। कतर ने भारत से फ्रोजेन सी फूड (जमे हुए समुद्री भोजन) के आयात पर लगाए गए अपने अस्थायी प्रतिबंध को हटा दिया है। इससे निर्यात बढ़ने और पश्चिम एशियाई देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का मार्ग प्रशस्त हुआ है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार कतर ने भारत से पहुंचे कुछ खेपों में विब्रियो कोलेरा (हैजा का कथित रूप) का पता चलने के बाद नवंबर 2022 में फीफा विश्व कप से ठीक पहले आयातित फ्रोजेन सीफूड अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया था। कतर के अधिकारियों ने भारत को सूचित किया था कि प्रतिबंध अस्थायी था और उनके देश में पर्याप्त परीक्षण प्रयोगशालाओं की कमी के कारण ऐसा किया गया।

पाकिस्तान में मुद्रास्फीति दर बढ़कर 38.4% पर पहुंची

नई दिल्ली। नकदी की भारी किल्लत का सामना कर रहे पाकिस्तान में वार्षिक मुद्रास्फीति दर इस सप्ताह बढ़कर रिकॉर्ड 38.42 प्रतिशत पर पहुंच गई। जरूरी वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी होने से पाकिस्तान में मुद्रास्फीति इस स्तर पर पहुंची है। समाचार पत्र द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने शनिवार को पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो के हालिया आंकड़ों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा कि अल्पावधि मुद्रास्फीति का मापन करने वाला संवेदी कीमत सूचकांक (एसपीआई) इस सप्ताह सालाना आधार पर बढ़कर 38.42 प्रतिशत हो गया। साप्ताहिक स्तर पर एसपीआई में 2.89 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले सप्ताह 0.17 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। पिछले सप्ताह सालाना स्तर पर एसपीआई मुद्रास्फीति 34.83 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

रतन टाटा के कदम से एविएशन सेक्टर में खलबली

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप में वापसी के साथ ही एयर इंडिया के दिन फिरने लगे हैं। एयरलाइन ने 840 विमानों का ऑर्डर दिया है। यह एविएशन इतिहास का सबसे बड़ा ऑर्डर है। एयर इंडिया का दावा है कि जल्दी ही दुनिया के हर शहर के लिए भारत से नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स शुरू की जाएगी। एयर इंडिया के इस कदम से एविएशन सेक्टर में खलबली मची हुई है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने एयर इंडिया की इस चुनौती को गंभीरता से लिया है। एयरलाइन ने यूरोप में अपना विस्तार करने के लिए टर्किश एयरलाइन के साथ हाथ मिलाया है और करीब 500 विमानों का ऑर्डर दिया है। एयरलाइन रोजाना करीब 1,800 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। इनमें से 10 फीसदी इंटरनेशनल रूट्स पर हैं। अभी घरेलू मार्केट में इंडिगो की हिस्सेदारी 56.1 फीसदी है जबकि टाटा ग्रुप की तीन एयरलाइंस की कुल हिस्सेदारी 24.1 फीसदी है।

लाभदायक है स्वतंत्र विदेश नीति

डॉ अश्विनी महाजन

आज भारत समेत पूरी दुनिया महंगाई से पीड़ित है, पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ही नहीं, बल्कि अधिकतर देशों की तुलना में भारत में महंगाई की दर काफी कम बनी हुई है। यूरोपीय समुदाय के देशों में दिसंबर में महंगाई की औसत दर 10.4 प्रतिशत थी। यह दर हंगरी में 25, पोलैंड में 15.3, इटली में 12.3, नीदरलैंड में 11, ऑस्ट्रिया में 10.5 और पुर्तगाल में 9.8 प्रतिशत थी। अमेरिका में महंगाई दर 6.5 प्रतिशत बनी हुई है, जो जून, 2022 में नौ प्रतिशत तक पहुंच गयी थी। दुनिया में बढ़ती इस महंगाई के पीछे तेल की बढ़ती कीमतें हैं।

हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेल की वैश्विक कीमतों से प्रभावित नहीं होती, तो भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगे तेल के कारण अमेरिका में महंगाई बढ़ी है। यूरोप में ऊर्जा (तेल, पेट्रोल आदि) में महंगाई 40 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। यूरोप में महंगाई बढ़ने का दूसरा बड़ा कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि है।

भारत में मुद्रास्फीति जो पहले भी अमेरिका और यूरोप से कम थी, दिसंबर में घटकर 5.72 प्रतिशत हो गयी थी, जो जनवरी में फिर कुछ बढ़ गयी है। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से पेट्रोल, डीजल की कीमतें बढ़ नहीं रही हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि भारत रूस से सस्ते दामों में कच्चा तेल खरीद रहा है। यह खरीद बाजार के कारण नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के कारण संभव हुई है। आर्थिक सिद्धांतों के अनुसार महंगाई दर बढ़ने का पहला असर ब्याज दरों पर पड़ता है।

और, ब्याज दरों में वृद्धि से आर्थिक संवृद्धि में बाधा आती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा विभिन्न प्रकार के आर्थिक प्रतिबंध लगाने के बाद ज्यादातर मुल्कों द्वारा रूस से तेल और गैस

की खरीद प्रभावित हो गयी। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने शर्त लगा दी कि रूस से तेल और गैस खरीदने पर बैंकिंग चैनल बाधित कर दिया जायेगा और वे देश भुगतान नहीं कर सकेंगे। नवंबर में अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस के तेल की न्यूनतम कीमत की शर्त भी लगा भी दी।

अमेरिका एवं यूरोपीय देशों का स्विफ्ट भुगतान व्यवस्था पर एकाधिकार है और वे इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत ने उनके प्रतिबंधों को धता दिखाते हुए रूस से तेल खरीदना जारी रखा। भारत रूस से आज 33.28 डॉलर की छूट पर तेल खरीद रहा है। अमेरिका की अगुवाई वाले जी-7 राष्ट्रों द्वारा तय न्यूनतम कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा कीमत पर ही भारत रूस से तेल खरीद रहा है।

यूरोपीय देशों ने जब रूस से तेल खरीदने की सूरत में पश्चिमी देशों के जहाजों और बीमा सेवाओं के उपयोग पर रोक लगायी, तो भारत ने कहा कि हम गैर-पश्चिमी पोत सेवाओं से ही रूस से तेल मंगा लेंगे। भारत और रूस ने आपसी लेनदेन स्विफ्ट के बिना करने का भी तय किया। दोनों देशों में यह सहमति भी बनी है कि आगे चलकर आपसी व्यापार रुपये और रूबल में हो सकेंगे। यह भी दिलचस्प है कि जहां तेल उत्पादक देश कच्चे तेल की कीमतों को ऊंचा रखने के लिए उत्पादन में कटौती कर रहे हैं,

रूस भारत सरीखे एशियाई देशों, जो अमेरिका और यूरोप के प्रभाव में नहीं हैं, को तेल बेच रहा है। भारत ने स्पष्ट कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को अहमियत देता है और इस कारण वह रूस से खरीद जारी रखेगा। रूस द्वारा भारत को छूट का आकर्षण इसलिए दिया गया था क्योंकि उसे मालूम था कि केवल भारत ही रूस से तेल खरीद सकता है क्योंकि वह एक स्वतंत्र विदेश नीति में विश्वास रखता है।

हालांकि कई यूरोपीय देशों ने भी दोहरे मापदंड अपनाते हुए रूस से तेल खरीदना जारी रखा। उधर भारत और कुछ अन्य देशों को तेल बेचते हुए रूस का तेल का बाजार बना रहा। ध्यान देने वाली बात यह है कि 2021-22 में भारत का कुल तेल के आयात का बिल 119 अरब डॉलर था, और युद्ध और अन्य कारणों से तेल की बढ़ती कीमतों के चलते इस साल यह बिल कहीं ज्यादा हो सकता था। लेकिन भारत ने अमेरिका और यूरोपीय प्रतिबंधों को दरकिनार करते हुए न केवल रूस से तेल खरीदना जारी रखा, बल्कि उसमें वृद्धि भी की है।

पूर्वोत्तर में बीजेपी की सफलता के पीछे केन्द्र की अचूक नीति

विवेकानंद शाडिल

पूर्वोत्तर भारत आरंभ से ही सांस्कृतिक और प्राकृतिक रूप से बेहद समृद्ध रहा है। परंतु, देश की आज़ादी के बाद इन क्षेत्रों की सामाजिक एकता और अखंडता हमारे लिए चिन्ता का एक प्रमुख विषय रहा है। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनके राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी विकास पर सरकारों द्वारा कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया और इसका परिणाम यह हुआ कि धीरे - धीरे इन क्षेत्रों ने खुद को शेष भारत से अलग महसूस करना शुरू कर दिया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में यहाँ बीते 8 वर्षों में विकास की एक नई गंगा बही है। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर भारत को लेकर अपने संकल्पों से हमें उसी वक्त अवगत कर दिया था जब वह 2014 में प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे। उनका आरंभ से ही मानना था कि जब तक भारत का सर्वसमावेशी, सर्वसपर्शी और संतुलित विकास न हो, तब तक हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। क्योंकि, आज़ादी के बाद पश्चिमी और दक्षिणी भारत तो आगे बढ़ते गएए लेकिन हमारे पूर्वोत्तर का इलाका कहीं पीछे छूट गया। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने जैसे ही प्रधानमंत्री का पद संभाला उन्होंने पूर्वोत्तर भारत को शेष भारत से जोड़ने के लिए अपना प्रयास शुरू कर दिया।

गौरतलब है कि पूर्वोत्तर भारत के दायरे में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा जैसे राज्य आते हैं और यह भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 8 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, इन क्षेत्रों में हमारी करीब 3.8 प्रतिशत आबादी रहती है। यहाँ करीब 5000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पाँच देशों के साथ जुड़ी हैं और यह विश्व के 18 बायो डायवर्सिटी हॉटस्पॉट में से एक है। इन क्षेत्रों में हमारे घने वन क्षेत्र का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा है और यहाँ 270 से भी अधिक सामाजिक समुदायों का वास है। इन तथ्यों से यहाँ की भौगोलिक और सांस्कृतिक दुर्गमता को आसानी से समझा जा सकता है और कालांतर में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असमए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स, नेशनल सोशलिस्ट कार्डसिल ऑफ नागालैंड जैसी देश विरोधी शक्तियों ने इसका भरपूर फायदा भी उठाया। ऐसे में, यहाँ के सामाजिक ताने.बाने को व्यवस्थित करना प्रधानमंत्री मोदी के लिए आसान नहीं था। लेकिन वह कभी हार मानने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने इस दिशा में सबसे पहले 'एक्ट ईस्ट' नीति को लागू किया और जिसके अंतर्गत उनका उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में वाणिज्य्य संस्कृति और संपर्क को बढ़ावा देते हुएए दक्षिण - पूर्व एशिया में भी अपनी पकड़ को सुदृढ़ करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर भारत को देश के विकास के 'प्रवेश द्वार' के रूप में पहचान दिलायी और आज यहाँ शिक्षा से लेकर परिवहन जैसे तमाम क्षेत्र में बदलाव की लहर को साफ तौर पर देखा जा सकता है। यही कारण है कि आज इस इलाके को हम 'अष्ट लक्ष्मी' के रूप में भी जानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर भारत में परिस्थितियों को बदलने के लिए ङ्क 'राजनीतिक स्थिरता', 'सीमा विवाद का निपटारा', 'सांस्कृतिक संरक्षण एवं विकास', 'आर्थिक विकास' जैसे चार प्रमुख आयामों पर अपनी कार्ययोजना बनाई और इन योजनाओं के सफल क्रियान्वन के लिए संबंधित मंत्रालयों की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगीए विशेष रूप से गृह मंत्री अमित शाह की। प्रधानमंत्री मोदी अभी तक पूर्वोत्तर भारत का 51 बार दौरा कर चुके हैं, तो केन्द्रीय मंत्रियों ने भी 400 से अधिक बार इसका दौरा किया। यही कारण है कि आज यहाँ के लोगों में एक नयी संवाद प्रक्रिया ने जन्म ले लिया है। पहले जिस क्षेत्र को उपद्रव और विद्रोह के लिए जाना जाता था।

नेहरू-गांधी परिवार के सरनेम का इतिहास

गतांक से आगे...

देवेश खंडेलवाल

भाग-दो

बर्टिल ने अपनी पुस्तक में फिरोज गांधी के जन्मप्रमाण पत्र को भी प्रकाशित किया है। इसमें पिता का नाम जहांगीर फरेदून घांडी और मां रत्तीमई (रतनबाई) लिखा है। इसके बावजूद भी बर्टिल लिखते है, यह प्रमाण पत्र प्रमाणिक तो नजर आता है लेकिन यह मामलें पर पर्दा डालने की कोशिश भी हो सकती है। जो भी हो यह इस समस्या अभी भी अनसुलझी हुई है। अब बस डीएनए के माध्यम से ही इस गुत्थी को सुलझाया जा सकता है।

अब हमारे सामने दो बिंदु है, फिरोज के माता-पिता का नाम रत्तीमई और जहांगीर फरेदून घांडी था। उन्होंने फिरोज को शिरीन कमिस्सेरियट को गोद दिया था। दूसरा, फिरोज की मां शिरीन कमिस्सेरियट ही थी लेकिन वे अविवाहित थी और सामाजिक बदनामी के चलते उन्होंने फिरोज के दस्तावेजों में माता-पिता का नाम रत्तीमई और जहांगीर लिखवा दिया। अब यह तो पक्का है कि फिरोज पारसी ही थे और उनका बचपन इसी धर्म के अनुसरण के साथ बिता। उनके रिश्तेदार और भाई-बहन सभी पारसी ही थे। एक बात और, फिरोज की पढ़ाई-लिखाई और विवाह संबंधी सभी निर्णय डॉ. शिरीन कमिस्सेरियट ही लिया करती थी। फिरोज के असली माता-पिता के साथ-साथ उनके द्वारा अपने नाम के आगे गांधी सरनेम लगाना भी एक पहेली बन चुका है। आमतौर पर कहा जाता है कि महात्मा गांधी ने उन्हें अपना सरनेम दिया था। वैसे कभी ऐसे सरनेम नहीं दिया जाता। अगर, फिरोज को महात्मा गांधी ने गोद लिया होता तो यह संभव है। वहीं महात्मा गांधी और अन्य किसी लेखक ने भी ऐसा कोई जिक्र नहीं किया है। इस गुत्थी को सुलझाने के लिए जवाहरलाल नेहरू के ब्यान को देखा जा सकता है जोकि उन्होंने 25 दिसंबर 1933 को इलाहाबाद में दिया था। यह द लीडर अखबार में प्रकाशित हुआ। उसमें वे श्री फिरोज गांधी नाम का जिक्र करते है। यानी जब फिरोज मात्र 21 साल के थे तब भी उन्होंने अपने नाम के आगे गांधी लगाना शुरू कर दिया था।

बर्टिल फाल्क की पुस्तक फिरोज- द फॉरगॉटेन गांधी के अनुसार फिरोज पर महात्मा गांधी का गहरा प्रभाव था। फिरोज ने भारत स्वाधीनता संग्राम में महात्मा गांधी की प्रेरणा से ही हिस्सा लिया था। मगर, डॉ. शिरीन को फिरोज की यह गतिविधियां कभी पसंद नहीं आती थी और उनका पूरा जोर फिरोज की पढ़ाई-लिखाई पर ही रहता था। अत: 1931 में मोतीलाल नेहरू के निधन होने पर उन्हें श्रद्धांजलि देने महात्मा गांधी इलाहाबाद आये तो डॉ. शिरीन ने महात्मा गांधी से मुलाकात कर कहा कि आप फिरोज से कहें कि वह अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे, न कि स्वाधीनता संग्राम की गतिविधियों पर। इस पर महात्मा गांधी ने उन्हें जवाब दिया कि अगर फिरोज जैसे सात लोग मुझे और मिल जाए तो मैं सात दिन में आजादी दिलवा दूंगा।

इस वाकये का जिक्र फिरोज गांधी से जुड़ी लगभग हर पुस्तक में है। शायद यहीं से फिरोज ने अपने नाम के आगे गांधी लगाना शुरू कर दिया होगा और वह लोकप्रिय हो गया। इसलिए यह एक गलत अवधारणा है कि जब फिरोज की शादी इंदिरा नेहरू से हुई तो महात्मा गांधी ने उन्हें अपना सरनेम दिया था। फिरोज गांधी और इंदिरा नेहरू अपनी पढ़ाई के चलते कुछ समय लंदन में एकसाथ रहे। द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत से पहले दोनों भारत लौट आये। भारत लौटते ही इंदिरा ने अपने पिता जवाहरलाल नेहरू से कहा कि वे फिरोज से शादी करना चाहती है। हालांकि, नेहरू को इस शादी से कभी कोई दिक्कत नहीं थी और उन्होंने यह बात इंदिरा को भी स्पष्ट कर दी थी। दरअसल, उनका कहना था कि शादी एक व्यक्ति से होती है न कि पूरे परिवार से। इसलिए 26 फरवरी 1942 को दोनों की सगाई करवा दी गयी।

चूंकि दोनों के धर्म अलग-अलग थे इसलिए सामाजिक दबाव भी बहुत अधिक था। इस सन्दर्भ में महात्मा गांधी को कई पत्र प्राप्त हुए जोकि गुस्से और गालियों से भरे होते थे। हालांकि, महात्मा गांधी इस विवाह के एकदम पक्ष में थे लेकिन वे नहीं चाहते थे कि इंदिरा और फिरोज अपना-अपना धर्म बदल लें। यह बात उन्होंने सेवाग्राम से 2 मार्च 1942 को सार्वजानिक रूप से भी स्वीकार की। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से इस बात का घोर विरोधी रहा हूँ और अब भी हूँ कि स्त्री-पुरुष विवाह के लिए अपना धर्म बदलें। धर्म कोई चादर या दुपट्टा नहीं कि जब चाहा ओढ़ लिया, जब चाहा उतार दिया। इस मामलें में धर्म बदलने की कोई जरुरत नहीं है। हालांकि, महात्मा गांधी के सिर्फ कहने भर से यह संभव नहीं था। इसके लिए धार्मिक और कानूनी दोनों पक्षों का भी देखना जरुरी था। इसलिए महात्मा गांधी ने विवाह की तैयारियों पर बातचीत के लिए जवाहरलाल को वर्धा बुला लिया। यहां उन्होंने जवाहरलाल को एक विवाह की विधि सहित दिल्ली के रहने वाले लक्ष्मीधर शास्त्री के बारे में बताया जो यह विवाह संपन्न करवा सकते थे।

जब जवाहरलाल इलाहाबाद लौटे तो उन्होंने 16 मार्च 1942 को लक्ष्मीधर शास्त्री को एक पत्र लिखकर कहा कि यह विवाह एक हिन्दू और गैर-हिन्दू के बीच हो रहा है। तो विवाह की विधि ऐसी हो जिसमें विवाह के बाद इंदिरा हिन्दू और फिरोज पारसी ही रहे। आखिरकार 26 मार्च 1942 को बेहद सादगी से दोनों का विवाह हो गया। अगले दिन द टाइम्स ऑफ इंडिया की एक खबर के अनुसार यह विवाह मात्र डेढ़ घंटे में ही हो गया था। इस बारे में जवाहरलाल के सेक्रेटरी एम.ओ. मथाई अपनी पुस्तक %रेमेनिसेन्सेस ऑफ द नेहरू एज% में लिखते है कि नेहरू जी ने 1942 में वैदिक रीति से विवाह की अनुमति क्यों दी? इसका कारण आजतक स्पष्ट नहीं है। उस समय वैदिक रीति से अन्तर्जातीय और विजातीय विवाह वैध नहीं माने जाते थे। ऐसा विवाह तभी वैध हो सकता था जब वह सिविल कानून के तहत हुआ हो। शादी के बाद इंदिरा नेहरू अपना नाम इंदिरा गांधी लिखने लगी। पुपुल जयकार की पुस्तक %इंदिरा गांधी - एन इंटीमेट बायोग्राफी% के अनुसार, फिरोज 1946 से 1952 के बीच लखनऊ में रहा करते थे। दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे को कभी-कभी मिलने भी आते थे। जवाहरलाल नेहरू ने अपनी बेटी की शादी में पड़ रही दरार को भांप लिया था लेकिन उन्होंने कभी पूछताछ नहीं की। उधर इंदिरा ने भी किसी बाहरी व्यक्ति को अपने निजी वैवाहिक जिंदगी में दखल देने की अनुमति नहीं दी। वे आगे लिखती हैं कि जवाहरलाल नेहरू जब प्रधानमंत्री बने तो इंदिरा गांधी को फर्स्ट लेडी का अधिकारिक दर्जा मिला। जबकि फिरोज को प्रोटोकॉल उतना नहीं मिलता था और यह बात उन्हें खटकती थी। इसलिए गुस्से में और अपमानित होकर उन्होंने सभी अधिकारिक कार्यक्रमों में शामिल होना ही छोड़ दिया था। फिरोज पहली और दूसरी लोकसभा में सांसद निर्वाचित हुए थे और उन्होंने वहां अपने-आप को साबित करने का पूरा प्रयास किया। जबकि इंदिरा गांधी ने अपने राजनैतिक भविष्य के लिए संगठन यानी कांग्रेस पार्टी की राह चुनी। पुपुल जयकर के अनुसार इंदिरा गांधी के बढ़ते कद से दोनों के रिश्तों में और ज्यादा खटास आ गयी। अब फिरोज न सिर्फ उन्हें सार्वजनिक रूप से बदनाम करने लगे बल्कि दूसरी महिलाओं के साथ खुलकर दोस्ती बढ़ाने लगे। पुपुल के अनुसार इंदिरा ने फिरोज को 1958 में तलाक देने का भी मन बना लिया था। बतौर पुपुल यह बात खुद इंदिरा गांधी ने उन्हें बताई थी। इस बीच फिरोज को एक बार हृदयाघात आ चुका था और तब इंदिरा अपने पिता के साथ भूटान की यात्रा पर थी। इसके बाद 1959 में जब इंदिरा को कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष बनाया तो उनका वैवाहिक जीवन लगभग समाप्त हो गया था। इसके बाद, 8 सितंबर 1960 को फिरोज गांधी को दूसरी बार हृदयाघात आया और निधन हो गया। फिरोज गांधी का अंतिम संस्कार दिल्ली के निगमबोध घाट पर किया गया और उनकी चिता को मुखाग्नि उनके बड़े बेटे राजीव गांधी ने हिन्दू रिति-रिवाजों के साथ दी। इसके अलावा, उनकी अस्थियों का भी विसर्जन हिन्दू रीति से गंगा नदी में किया गया था।

ऐसा कहा जाता है कि जब फिरोज गांधी अपनी मृत्यु के एकदम करीब थे तब उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा के तौर पर हिन्दू रीति-रिवाजों से अंतिम संस्कार करने को कहा था। अगले दिन समाचार-पत्रों में भी इस बात को बहुत ज्यादा हाईलाइट किया गया था कि फिरोज का हिन्दू परंपरा से संस्कार किया गया। हालांकि, उन्होंने किसके आगे यह कहा इसकी कोई स्पष्टता नहीं है। महात्मा गांधी के अनुसार तो उन्होंने अपना धर्म कभी बदला ही नहीं था और इंदिरा गांधी के साथ उनका उतार-चढाव भरा रिश्ता भी एक बड़ी बात थी। दरअसल, इंदिरा और फिरोज की शादी का सिविल रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ था।

कुछ लेखकों ने इस बात का दावा किया है कि दोनों ने अपनी शादी को कानूनी रूप से मान्यता दिलवाई थी। मगर इस तथ्य में सत्यता नहीं है क्योंकि इसके पीछे एक बड़ा कारण जवाहरलाल नेहरू से जुड़ा हुआ था। वे कभी ऐसा नहीं चाहते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि पारसी और वैदिक तरीकों में बहुत सी समानतायें है। इसलिए महात्मा गांधी से बात करने के बाद शादी की विधि भी इस प्रकार बनवाई गयी जिससे आगे कोई दिक्कत न हो। जवाहरलाल नेहरू की बहन और इंदिरा की बुआ, कृष्णा नेहरू की शादी एक जैन से हुई थी। हालांकि, जैन और हिन्दू वैवाहिक रिवाजों में तो कोई भिन्नता ही नहीं हैं फिर भी इस शादी को कानूनी रूप से मान्यता दिलवाई गयी थी। जबकि कृष्णा की मां इसके खिलाफ थी। खुद कृष्णा नेहरू अपनी पुस्तक %डिअर टू विहोल्ड -एन इंटिमेट पोर्ट्रेट ऑफ इंदिरा गांधी% में लिखती है कि मेरे पति ने कोर्ट मैरिज वाले दिन मुझसे कहा था कि ऐसा लग ही नहीं रहा कि मेरी शादी हो रही है। कृष्णा नेहरू ने इंदिरा गांधी पर लिखी पुस्तक में इस वाकये का जिक्र उस पत्र पर किया है जहां उन्होंने इंदिरा गांधी की शादी का उल्लेख किया है। दरअसल, उनका कहने का मतलब है कि मेरी शादी तो कोर्ट के माध्यम से हुई लेकिन इंदिरा के साथ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। ऐसा बाद में हुआ हो उसकी भी संभावना कम है क्योंकि यह किताब 1969 में आई थी। कोर्ट मैरिज या धर्म परिवर्तन जैसा कुछ हुआ होता तो कृष्णा नेहरू इसका उल्लेख जरुर करती क्योंकि उनके मन में अपनी कोर्ट मैरिज को लेकर एक टीस थी। इन तथ्यों के आधार पर फिरोज जीवनभर पारसी ही रहे और उन्होंने कभी हिन्दू धर्म नहीं अपनाया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

ब्रह्मविद्योपनिषद (भाग-04)

गतांक से आगे...

हे वत्स! सूर्य का (पूजन हेतु) ग्रहण प्रत्यक्ष यजन (सोऽहम् साधना रूप में) कहा गया है। जिस प्रकार जल में जल होता है, उसी प्रकार से सायुज्यपद सद्ज्ञान के द्वारा ही प्राप्त होता है। योग के अभ्यास में जो श्रम किया जाता है, उसमें इतने गुण हैं कि इस क्रिया द्वारा उद्योगपूर्वक सभी दु:खों को दूर करने की सतत चेष्टा करनी चाहिए।

सदा ही इस (ब्रह्मविद्या) के मन्त्र का जप करते हुए योग रूपी चिन्तन के द्वारा तत्मयता को प्राप्त करना चाहिए। ज्ञान के माध्यम से ही (ब्रह्म का) परम स्वरूप (हंस मन्त्र) प्राप्त किया जाता है। प्राणियों के शरीर में अच्युतरूपी हंस (चेतन जीव) सदा ही प्रतिष्ठित रहता है। हंस ही परम सत्य है। तथा हंस ही शक्ति का स्वरूप है। हंस ही परम वाक्य है, हंस ही वेदों का सार है। हंस ही परम रुद्र है और हंस ही परमात्मा है। सभी देवताओं के मध्य में हंस ही परमेश्वर है। पृथ्वी से लेकर भगवान् शिव तक तथा अकार से लेकर क्ष तक हंस ही वर्ण मात्राओं की तरह से स्थित है। मातृका (वर्ण) विहीन मन्त्र का उपदेश कहीं भी नहीं दिया जाता है।

हंस की अनुपम ज्योति देवताओं के मध्य में प्रतिष्ठित है। दक्षिणामुख (भगवान् शिव) का आश्रय लेकर ज्ञान मुद्रा करे तथा सर्वदा समाधि अवस्था में हंस का चिन्तन करता रहे और निर्मल स्फटिक के समान उत्तम दिव्य रूप का ध्यान करे।

मध्य देश में ज्ञान - मुद्रा के स्वरूप वाले परम हंस का सदैव ध्यान करना चाहिए। प्राण, अपान, समान, उदान, व्यान-ये पाँच वायु (प्राण) तथा पञ्च कर्मेन्द्रियों से सम्पन्न क्रियाशक्ति अधिक बलवती होती है। नाग, कूर्म, कृकल, देवदत्त, धनंजय और पञ्च ज्ञानेन्द्रियों से सम्पन्न ज्ञानशक्ति अत्यन्त बलवती होती है। (कुण्डलिनी) शक्ति के बीच में अग्नि और नाभिचक्र में रवि प्रतिष्ठित रहता है। सर्वप्रथम बन्ध एवं मुद्रा का अभ्यास करना चाहिए। नासाग्र एवं अपने दोनों नेत्रों में अ कार अग्नि, हृदय में उ कार अग्नि और भृकुटियों के मध्य में म कार अग्नि प्रतिष्ठित कही गयी है। इनमें प्राणशक्ति को संयुक्त करे। ब्रह्मग्रन्थि कार (नासाग्र एवं नेत्र) में और विष्णुग्रन्थि हृदय में स्थित कही गयी है। रुद्र ग्रन्थि भृकुटियों के मध्य में स्थित है। यह (तीनों) ग्रन्थि अक्षर वायु (हंस ज्ञान) से भेदन की जाती है। अ कार में ब्रह्मा का, उकार में विष्णु का तथा म कार में रुद्र का स्थान बताया गया है, उसके अन्त में परात्पर ब्रह्म है। कण्ठ का संकोचन (जालन्धरबन्ध) करके आदि शक्ति (कुण्डलिनी शक्ति) को स्तम्भित करे, तत्पश्चात् जिह्वा को दबाकर सोलह आधार वाली, ऊर्ध्वगामिनी, त्रिकूट (इड़ा, पिंगला, सुषुम्ना तीनों के मिलन स्थल) वाली, तीन प्रकार वाली, ब्रह्मरन्ध्र को जानने वाली अति सूक्ष्म सुषुम्ना नाड़ी को एवं त्रिशंख (सुख, दु:ख, सुख-दु:ख तीनों को खाने वाले), वज्र (अयोगी द्वारा दुर्भेद्य), ओंकार युक्त, ऊर्ध्वनाल, भृकुटियों की ओर गमन करने वाली कुण्डली शक्ति तथा प्राणों को चालित करके शशि मण्डल का भेदन करे।

क्रमश:...

स्वतंत्रता संग्राम में नरमपंथी दल के नेता गोखले

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के शुरुआती प्रमुख नेताओं में से एक गोपाल कृष्ण गोखले राजनीतिक बदलाव के अलावा सामाजिक सुधारों के लिए भी प्रतिबद्ध थे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें अपना गुरु माना था। गोखले के समय में कांग्रेस भारतीय राजनीति की मुख्यधारा को प्रकट करने वाली सर्वप्रमुख संस्था थी। वह कांग्रेस में नरमपंथी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता थे और बातचीत की प्रक्रिया में भरोसा करते थे। उस समय के प्रमुख नेताओं का प्रयास था कि अंग्रेजी साम्राज्य में भारतीयों को इज्जत मिलनी चाहिए।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गोपाल कृष्ण गोखले वैसे तो नरमपंथी दल के नेता के रूप में विख्यात थे लेकिन उन्होंने महात्मा गांधी के रूप में देश को सबसे बड़ा योगदान दिया था क्योंकि भारत को समझने की सीख गांधी को गोखले से ही मिली थी और राष्ट्रपिता ने उन्हें अपने राजनीतिक गुरु के रूप में स्वीकार भी किया था। गोपाल कृष्ण गोखले ही वह शख्स थे जिन्होंने महात्मा गांधी को पूरा देश घूमकर भारत को समझने की सलाह दी थी। गोखले उन नेताओं में थे जिनसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सबसे अधिक प्रभावित थे। गोखले के सुझाव को ध्यान में रखते हुए महात्मा गांधी ने भारत की यात्रा की थी। इससे उन्हें भारत और आम भारतीय को समझने का मौका मिला। इससे स्वतंत्रता आंदोलन में आम आदमी की सहभागिता और भूमिका बढ़ती गई।

गोखले भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उस दौर में विख्यात हुए जब आजादी की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस दो स्पष्ट विचारधाराओं में विभाजित नजर आ रही थी। एक ओर बाल गंगाधर तिलक, विपिन चन्द्र पाल, लाला लाजपत राय और अरविन्द घोष जैसे गरमपंथी विचारधारा के नेता थे वहीं नरमपंथी विचारधारा के सिरमौर नेता गोखले थे। गोखले ने दादा भाई नैरोजी जैसे नरमपंथी नेताओं के साथ हमेशा सामाजिक सुधारों पर जोर दिया। इन तमाम कद्दावर नेताओं के बावजूद गोखले अपनी स्पष्ट विचारधारा और बेबाक भाषण शैली के कारण भारत ही नहीं ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका जैसे कई अन्य देशों में काफी लोकप्रिय थे। गोखले गांधी के न्यौते पर दक्षिण अफ्रीका गए थे जहां भारतीय मूल के लोगों ने उनका जबरदस्त स्वागत किया था। 9 मई 1866 को महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले में पैदा हुए गोखले ने तमाम बाधाओं के बीच परिवार के समर्थन से शिक्षा हासिल की। देशवासियों की प्रगति के लिए आजीवन प्रयासरत रहने का असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ा। वह मधुमेह, दमा जैसी कई गंभीर बीमारियों से परेशान रहने लगे और आखिरकार 19 फरवरी 1915 को उनका निधन हो गया।

क्या जनरल बाजवा का हाल भी मुशर्रफ जैसा होगा?

विक्रम उपाध्याय

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को एक चिट्ठी लिखकर कहा है कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल बाजवा के खिलाफ तत्काल जांच बैठायी जाए। 14 फरवरी को लिखी चिट्ठी में इमरान खान ने जनरल कमर जावेद बाजवा पर आरोप लगाया है कि सेना प्रमुख रहते हुए उन्होंने बार बार अपने पद का दुरुपयोग किया है। इससे पहले 10 फरवरी 2023 को वॉयस आफ अमेरिका चैनल पर प्रसारित अपने साक्षात्कार में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि पीएमएल एन, पीडीएम और फौज एक तरफ खड़े हैं और दूसरी तरफ वह अकेले हैं। बकौल इमरान जनरल बाजवा ने मीडिया से बातचीत में यह स्वीकार किया है कि उन्होंने मेरी सरकार गिरवाई। इसलिए जनरल बाजवा के खिलाफ सेना आंतरिक जांच करे।

पाकिस्तान के एक प्रमुख न्यूज एंकर जावेद चौधरी ने अपने कॉलम में बाजवा के हवाले से लिखा है कि चूंकि इमरान खान और उनकी पार्टी के लोग मुल्क के लिए खतरा बन गए थे, इसलिए उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया। बकौल जावेद चौधरी जनरल बाजवा ने यहां तक कहा था कि इमरान खान सत्ता में रहे तो यह मुल्क नहीं बचेगा। दूसरी तरफ जियो न्यूज से जुड़े मशहूर एंकर हामिद मीर ने 12 फरवरी 2023 को खुलासा किया कि इमरान खान अप्रैल 2022 में तब के आर्मी चीफ जनरल बाजवा को बर्खास्त कर किसी और को आर्मी चीफ बनाना चाहते थे, लेकिन 10 अप्रैल 2022 को उनकी सरकार गिर गई। मीर ने यह भी खुलासा किया कि मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पास इस बात के सबूत हैं

कि जनरल बाजवा पाकिस्तान में एक बार फिर मार्शल लॉ लगाना चाहते थे। इसलिए अगर चाहे तो वह भी बाजवा के खिलाफ आर्टिकल 6 के तहत मुकदमा दायर कर सकते हैं।

पाकिस्तान में आर्टिकल 6 का मतलब है कि कोई भी शख्स यदि पाकिस्तान के संविधान का उल्लंघन करता है, या उसकी तौहीन करता है तो उसे सजा ए मौत या उम्र कैद हो सकती है। इसे मुल्क के साथ गद्दारी के रूप में भी देखा जाता है। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार किसी जनरल के खिलाफ आर्टिकल 6 के तहत संगीन गद्दारी का मुकदमा 2013 में जनरल मुशर्रफ के खिलाफ चलाया गया था। तब मुस्लिम लीग की सरकार थी, नवाज शरीफ प्रधानमंत्री थे और उन्होंने ही सुप्रीम कोर्ट में यह मामला दायर कराया था। इस केस की सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत का गठन किया गया। इस विशेष अदालत ने जनरल मुशर्रफ के अपने समक्ष हाजिर ना होने पर 19 जुलाई 2016 को भगोड़ा घोषित कर उनके पासपोर्ट को जब्त करने का आदेश सुना दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने जनरल मुशर्रफ का पासपोर्ट बहाल कर दिया और वह पाकिस्तान छोड़कर दुबई चले गए।

17 दिसंबर 2019 को तीन जजों की बेंच ने जनरल मुशर्रफ को संविधान को मुअत्तल करने और मुल्क के साथ संगीन गद्दारी करने के जुर्म में मौत की सजा 2:1 की राय से सुना दी। जनरल मुशर्रफ पर यह मुकदमा 3 नवंबर 2007 को उनके द्वारा संविधान को मुअत्तल कर सुप्रीम कोर्ट के 15 और प्रोविंसियल हाईकोर्ट के 56 जजों को बर्खास्त करने और पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश को नजरबंद करने के जुर्म में चलाया गया था। इसके पहले जनरल मुशर्रफ ने 15 अक्टूबर 1999 को नवाज शरीफ की सरकार को बर्खास्त कर पाकिस्तान में मार्शल लॉ लगा दिया था। अब यह कहा जा रहा है कि यदि चुनाव में जीत कर इमरान खान फिर से सरकार में आते हैं तो वह जरनल बाजवा के खिलाफ संगीन गद्दारी का मुकदमा आर्टिकल 6 के तहत दायर करा सकते हैं। यह आशंका पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल एन के नेता शाहिद खक्कान अब्बासी ने जताई है। फरवरी के दूसरे सप्ताह में पाकिस्तानी टीवी प्रोग्राम दूसरा रुख से बातचीत में उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने जिस तरह का आरोप जनरल बाजवा के खिलाफ लगाया है वह संविधान के उल्लंघन का मामला बनता है। इससे लगता है कि इमरान खान यह मंसूबा बना चुके हैं कि यदि वह सत्ता में लौटते हैं तो जनरल बाजवा के खिलाफ शदीद गद्दारी का मुकदमा चलाएंगे।

इमरान खान ने पाकिस्तान में अचानक आंतकवादी घटनाओं में हुई बढ़ोतरी के लिए भी जनरल बाजवा को ही जिम्मेदार ठहराया है। खान ने एक विदेशी मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनकी सरकार चाहती थी कि 40 से 50 हजार टीटीपी के आतंकवादियों का पुनर्वास कर दिया जाए ताकि वे लोग बंदूक छोड़कर मुख्यधारा में आ जाएं, लेकिन बाजवा ने साजिश कर उनकी सरकार गिरा दी। आज जो भी पाकिस्तान में संकट उत्पन्न हुआ है उसके लिए जनरल बाजवा और उनकी आर्मी जिम्मेदार है।

जनरल बाजवा और जनरल मुशर्रफ के क्रियाकलापों में भी काफी समानताएं देखी जा रही हैं। कारगिल युद्ध में हार के बाद जनरल मुशर्रफ को जब आभास हुआ कि प्रधानमंत्री नवाज शरीफ उनको बर्खास्त करने वाले हैं तो उसी समय मुशर्रफ ने तय कर लिया था कि पाकिस्तान में मार्शल लॉ लगा देंगे।

रिटायर जनरल शाहिद अजीज ने अपनी किताब ये खामोशी कहां तक में लिखा है कि जनरल मुशर्रफ ने तब के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा उन्हें बर्खास्त करने की प्रक्रिया में मार्शल लॉ नहीं लगाया था, बल्कि जनरल मुशर्रफ ने एक सोची समझी साजिश के तहत पहले ही पाकिस्तान में मार्शल लॉ लगाने का मंसूबा बना लिया था। जनरल शाहिद अजीज ने लिखा है कि वे खुद भी जनरल मुशर्रफ के तख्तापलट कारनामे का हिस्सा थे। जनरल शाहिद ने यह किताब 2013 में लिखी थी। उनके बारे में कहा जाता है कि 2018 में एक दिन वे अचानक गायब हो गए और तब से उनकी कोई खबर नहीं है। पाकिस्तान मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इमरान खान ने भी अप्रैल 2022 के पहले सप्ताह में जनरल बाजवा को आर्मी चीफ के ओहदे से हटाकर किसी और को आर्मी चीफ बनाने का फैसला कर लिया था। इस मामले में यहां तक रिपोर्ट छापी गई कि इमरान शासन के अंतिम दिनों में एक हेलीकॉप्टर में सवार होकर एक जनरल प्रधानमंत्री आवास में उतरे थे।

गांधी आज

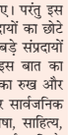

सांप्रदायिक एकता

जब तक देश के भिन्न-भिन्न संप्रदायों में एकता-मेल नहीं कराया जा सकता तब तक स्वराज्य प्राप्त करना और उसे कायम रखना असंभव है। इस एकता की स्थापना के लिए सब में आजादी से रोटी-बेटी व्यवहार होना ही चाहिए, अथवा उनके भिन्न-भिन्न धर्मों और संस्कृतियों के भेद मिट जाने चाहिए और किसी एक ही धर्म की अथवा किसी भी धर्म का आधार न रखने वाली संस्कृति निर्माण होनी चाहिए, यह आवश्यक नहीं है। इष्ट भी नहीं है। प्रत्येक जाति को अपनी-अपनी विशेषता कायम रखते हुए एकता करनी चाहिए। परंतु इस एकता की स्थापना के लिए बड़े संप्रदायों का छोटे संप्रदायों को अभय देना जरूरी है। बड़े संप्रदायों को चाहिए कि छोटे संप्रदायों को इस बात का इतमीनान दिला दें कि बड़े संप्रदायों का रुख और विरद ऐसा होगा कि अगर न्याय और सार्वजनिक हित के विरुद्ध हो तो उनके धर्म, भाषा, साहित्य, मजहबी कानून, रस्म-रिवाज, शिक्षा, अर्थ-प्राप्ति के अवसर आदि विषयों में उन्हें हानि सहन न करनी पड़ेगी। अगर स्थिति यह हो कि बड़े संप्रदाय को छोटे संप्रदाय से डर लगता हो तो वह इस बात की सूचक है कि या तो बड़े संप्रदाय के जीवन में किसी गहरी बुराई ने घर कर लिया है और छोटे संप्रदाय में पशुबल का मद उत्पन्न हुआ है यह पशुबल राजसत्ता की बदौलत हो या स्वतंत्र हो अथवा बड़े संप्रदाय के हाथों कोई ऐसा अन्याय होता आ रहा है जिसके कारण छोटे संप्रदाय में निराशा से उत्पन्न होनेवाला मर मिटने का भाव पैदा हो गया है।

क्रमश: ...

संक्षिप्त समाचार

काली नगर पंडरी में हुआ सुंदरकांड पाठ व रुद्राभिषेक

रायपुर। महाशिवरात्रि के अवसर पर काली नगर पंडरी में स्थित शिव मंदिर में सुंदरकांड पाठ एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। जहां मंदिर के पुजारी पंडित रवि पांडे ने श्रद्धालुजनों को भगवान शिव के सुंदरकांड पाठ सुनाया वहीं रुद्राभिषेक में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन शामिल है। मंदिर के पुजारी पांडे ने बताया कि सुबह से ही मंदिर में भगवान शिव के दर्शन करने के लिए मोहल्ले वालों के साथ ही आसपास के नागरिक उमड़ पड़े। पंडित पांडे ने श्रद्धालुओं को सुंदरकांड पाठ के माध्यम से उन्हें बताया कि भगवान भोले की सच्चे मन से आराधना की जाए तो सब भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की खुशहाली के लिए भगवान भोलेनाथ से मंगल कामना किए।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अब तक 8 लाख 41 हजार आवास पूर्ण

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में अभी तक 10.57 लाख हितग्राहियों को आवास की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इनमें से 8 लाख 41 हजार आवास पूर्ण किये जा चुके हैं तथा शेष आवासों का निर्माण तेजी से चल रहा है। निर्माणाधीन आवासों को प्रगति के आधार पर किश्तों की राशि दी जा रही है। आवास निर्माण के प्रगति के आधार पर इस वित्तीय वर्ष में 540 करोड़ से अधिक की राशि हितग्राहियों के खाते में हस्तांतरित की जा चुकी हैं। इस वित्तीय वर्ष में भारत सरकार द्वारा 79,000 आवास का लक्ष्य माह-नवंबर 2022 में दिया गया है, जिसे स्वीकृत किया जाकर प्रथम किश्त की राशि हितग्राहियों को हस्तांतरित की जा रही है। इस वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ शासन से 1020 करोड़ 67 लाख रुपए की राशि योजना के लिए प्राप्त हो चुकी है।

राज्यपाल के शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के मनोनीत राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन के 23 फरवरी को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के संबंध में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को राज्यपाल के आगमन पर एयरपोर्ट पर स्वागत सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए है। बैठक में राज्यपाल के शपथ ग्रहण समारोह के लिए बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था सहित तमाम व्यवस्थाओं की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शपथ ग्रहण समारोह के मिनट टू मिनट कार्यक्रम, शपथ ग्रहण समारोह में सम्मानीय अतिथियों की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री श्री सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव संसदीय कार्य डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव राज्यपाल अमृत खलखो, सचिव सामान्य प्रशासन डी.डी. सिंह, सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री प्रसन्ना आर., सचिव राजस्व एन.एन.एका, कमिश्नर रायपुर यशवंत कुमार, कलेक्टर रायपुर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे, आईजी रायपुर अजय यादव, आयुक्त नगर निगम श्री मयंक चतुर्वेदी सहित जनसम्पर्क, लोक निर्माण और अन्य विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

महाशिवरात्रि के पावन उपलक्ष में रुद्राभिषेक सम्पन्न

रायपुर। अखंड ब्राह्मण समाज सेवा

समिति द्वारा महाशिवरात्रि के पावन उपलक्ष में दिनांक 18 फरवरी 2023 को दोपहर 11 बजे टिकरापारा धनगर मोहल्ला शिवशक्ति चौक स्थित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन उपलक्ष में रुद्राभिषेक सम्पन्न हुआ। प्रदेश अध्यक्ष योगेश तिवारी ने बताया कि वृहत रुद्राभिषेक शिवार्चन हवन पश्चात भोग प्रसादी वितरण किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच राम चरित मानस का वितरण किया गया यह कार्यक्रम रायपुर शहर कार्यकारिणी के द्वारा सम्पन्न हुआ । उपरोक्त अवसर पर डॉ एस के शर्मा ,श्रीमती सविता वीरेंद्र शर्मा, अवधेश धर दीवान ,श्रीमती सुनीता तिवारी,श्रीमती उमा तिवारी,श्रीमती साधना शुक्ला,विनोद शर्मा,वीरेंद्र शर्मा,श्रीमती संगीता शर्मा,श्रीमती सुभद्रा तिवारी ,श्रीमती कौशल तिवारी श्रीधर दीवान श्रीमती रोहणी दीवान ,अशोक बनर्जी ,विक्रांत मिश्रा आदि उपस्थित थे ।

महाशिवरात्रि पर हटकेश्वरनाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

ज्वालेश्वर महादेव का पुराणों में मिलता है उल्लेख

रायपुर। राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिरों में से एक महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ के धाम में सुबह से ही भक्तों की लंबी लाइन देखने को मिली लोग घंटों लाइन में लगकर भगवान हटकेश्वरनाथ के दर्शन करने मंदिर तक पहुंचे मंदिर में जल चढ़ाने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। देश के 12 ज्योतिर्लिंगों की तरह ही यहां का हटकेश्वरनाथ धाम भी प्रसिद्ध है यह स्वयंभू शिवलिंग है पर्व और त्योहार के समय हटकेश्वरनाथ धाम में दूरदराज से हजारों की तादाद में भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था भी लगाई गई हैं।

महाशिवरात्रि के दिन भक्त पूरी श्रद्धा भाव के साथ भगवान भोलेनाथ को पूजा अर्चना कर अपनी मन्नत और मनोकामना के लिए यहां पहुंचते हैं महाशिवरात्रि के दिन लोग उपवास रहकर भगवान भोलेनाथ की श्रद्धा पूर्वक पूजा अर्चना करते हैं । आज के दिन भगवान को बेलपत्र, धतूरा, कनेर के फूल, दूध, दही और जल अर्पित करके विधि विधान से पूजा अर्चना की जाती है भक्तों का मानना है कि जो भी भक्त पूरी भक्ति भाव से मन्नत

या मनोकामना लेकर आते हैं, उनकी मनोकामना भगवान हटकेश्वरनाथ के धाम में जरूर पूरी होती है।

खारून नदी के तट पर हटकेश्वर नाथ धाम में माघी पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिमा, सावन का महीना और महाशिवरात्रि के समय दूरदराज से हजारों की तादाद में भक्त भगवान भोलेनाथ का दर्शन करने पहुंचते हैं ऐसा भी कहा जाता है कि देश के 12 ज्योतिर्लिंगों की तरह यह भी अपनी तरह का एक ज्योतिर्लिंग है यह स्वयंभू शिवलिंग है। हटकेश्वरनाथ धाम के नाम से अपनी पहचान रखने वाला यह मंदिर बहुत पुराना होने के साथ ही ऐतिहासिक मंदिरों में से एक है।

किसने बनवाया था मंदिर = ऐसी मान्यता है कि हटकेश्वरनाथ का यह मंदिर बहुत पुराना होने के साथ ही ऐतिहासिक भी है इस मंदिर की स्थापना 1402 ईस्वी में राजा ब्रह्मदेव ने पुत्र रत्न की प्राप्ति होने के बाद की थी मंदिर के पास एक अखंड धूनी भी निरंतर जल रही है इस अखंड धूनी की शुरुआत प्रथम पीढ़ी के महंत शिवगिरी ने तंत्र मंत्र से की थी इस अखंड धूनी की राख से भगवान हटकेश्वरनाथ की पूजा अर्चना और आराधना की जाती है।

शनिवार को देशभर में महाशिवरात्रि की पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है महाशिवरात्रि के दिन भगवान शंकर की पूजा का बेहद महत्व है जिसके लिए शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का जमावड़ा सुबह से ही लग गया है। ज्वालेश्वर महादेव में शनिवार को महाशिवरात्रि के मौके पर विशेष पूजा की जाती है जिसका बेहद महत्व है छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित छत्तीसगढ़ के ज्वालेश्वर महादेव में सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुट रहे हैं। धर्म और पर्यटन के नगर अमरकंटक जाने वाले मुख्य रास्ते पर स्थित ज्वालेश्वर महादेव की मान्यता है कि भगवान शंकर ने स्वयं ही इस मंदिर की स्थापना की थी पुराणों में भी इस जगह का उल्लेख है यह मंदिर पुराणों में महा रूद्र मेरु के नाम से जाना गया है ज्वालेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन की मान्यता बहुत ज्यादा है मंदिर में बाणलिंग मौजूद है

जिसकी कथा का उल्लेख स्कंद पुराण में मिलता है बाणलिंग पर दूध और शुद्ध जल चढ़ाने से पाप और दोष का नाश होता है। वैदिक पौराणिक कथा के हिसाब से बली का पुत्र बाणासुर जोअत्यंत बलशाली था वह शंकर भगवान का बहुत बड़ा भक्त था बाणासुर ने भगवान शंकर की कड़ी तपस्या की और फिर वर मांगा कि उसका नगर हमेशा दिव्य रहे और अजेय रहे उसने यह भी वर मांगा कि शंकर भगवान के अलावा कोई और यहां कोई भी ना आ सके ठीक इसी तरह बाणासुर ने ब्रह्म देव और भगवान विष्णु से भी वर लिए जिसके बाद वह तीन पुर का स्वामी हो गया और त्रिपुर कहलाया मान्यता यह भी है कि अपने शक्ति पर घमंड की वजह से बाणासुर उत्पाती होने लगा।

जिससे परेशान होकर भगवान शंकर ने पिनाक नाम के धनुष और अघोर नाम के बाण के प्रयोग से बाणासुर पर वार किया जिसके बाद बाणासुर ने शिवलिंग को सिर पर धारण कर लिया और महादेव की स्तुति करना शुरू कर दिया जिससे शंकर भगवान प्रसन्न हो गए भगवान के चलाए बाण से त्रिपुर के तीन खंड हो गए, जो नर्मदा के जल में गिरे इसी स्थान से ज्वालेश्वर नाम का एक तीर्थ प्रकट हो गया भगवान शंकर के छोड़े बाण से प्रहार से बचा शिवलिंग ही फिर बाणलिंग के नाम से जाना जाने लगा।

महाशिवरात्रि पर इस अद्भुत संयोग वाले शिवालय में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सरगुजा। श्रद्धालुओं ने बताया शंकर घाट में हर वर्ष शिवरात्रि के दिन भगवान का अभिषेक करते हैं। यहां सच्चे मन से जो मांगा जाए वो मिलता है। लोगों की मन्नतें पूरी होती है। एक अन्य भक्त का मानना है भगवान हर जगह विराजमान हैं। चाहे काशी विश्नाथ का मंदिर हो या अम्बिकापुर का शंकर घाट हर जगह भगवान विराजमान हैं। इनकी पूजा करने से मन प्रसन्न होता है और मनोकामना पूर्ण होती है। भगवान शंकर को महाकाल कहा जाता है क्योंकि काल भी इनसे भयभीत रहता है, जिन्हें शमसान प्रिय है, बहती जलधारा, जंगल, पहाड़ प्रिय है, तन पर शमशान की भस्म लगाना भाता है। महादेव के प्रिय स्थान कैलाश में ये सारे संयोग थे और ऐसा ही संयोग

अम्बिकापुर के शंकरघाट में बनाता है।

अम्बिकापुर के शंकर घाट में स्थित भगवान शिव का मंदिर अद्भुत संयोग बनाता है और शास्त्र व धर्म के जानकार बताते हैं की ऐसे संयोग में भगवान शिव का होना अत्यंत लाभकारी होता है क्योंकी भगवान भोले नाथ के रहने का यह सबसे उत्तम स्थान होता है, उन्हें प्रिय कई संयोग यहाँ एक साथ मिलते हैं।

यही वजह है कि सावन के महीने में हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां से कांवर में जल उठाते हैं। महाशिवरात्रि में यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। मंदिर की विशेषता यह है की भगवान शिव का स्थान, नदी की बहती अविरल धारा, वट वृक्ष, पीपल का पेड़ और शमसान घाट एक ही स्थान पर हैं और ऐसा संयोग कम ही देखने को मिलता है। क्योंकी शिव को सबसे अधिक प्रिय कैलाश का दृश्य भी इसी तरह का माना जाता है।

मंदिर के पुजारी बताते हैं सन 1971 में महाशिवरात्रि के दिन ही यहां मंदिर के अंदर भगवान की स्थापना की गई थी और तब से आज तक अनवरत महाशिवरात्रि में यहां श्रद्धालुओं की भीड़ आती है। लोग महादेव का अभिषेक करते हैं और अपने कष्ट बाबा से कहते हैं सबकी मनोकामना बाबा पूरी करते हैं

इस वर्ष बढ़ गई भीड़ भगवान शंकर और माता पार्वती के विवाह उत्सव के रूप में मनाया जाने वाला महाशिवरात्रि का पर्व सनातन धर्म के लोगों के बड़े ही आस्था का पर्व है ऐसे में अम्बिकापुर में स्थित इस विशेष संयोग वाले मंदिर की विशेषताएं इसे और भी खास बनाती हैं, हर वर्ष यहां शिवरात्रि के दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है और इस वर्ष यह भीड़ काफी बढ़ चुकी है।

कपिलेश्वर मंदिर में शिवलिंग और भोले की मूर्ति की स्थापना

बालोद। इस मंदिर में कांवड़िए जल लाकर भी जलाभिषेक कर रहे हैं। यहां की बावड़ी में भक्तों का आना जाना लगा हुआ है और विशेष शिवलिंग के समूहों में दूरदराज से महिलाएं युवा बुजुर्ग आकर पूजा अर्चना कर रहे हैं यह प्राचीन मंदिर है और इसकी अपनी एक अलग ही मान्यता है यहां मंदिरों का विशाल समूह है और यहां का कुंड कभी नहीं सूखता है।

स्थानीय पार्षद और मंदिर के सदस्य मोहन कलिहारी ने बताया कि आज महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। साथ ही इस वर्ष विशाल शिव भगवान की मूर्ति एवम शिवलिंग की स्थापना भी की जा रही है देखे कैसे यहां पर भक्तों का ताता लगा हुआ है और विधि विधान से पूजा अर्चना की जा रही है।

हर दरवाजे में गणेश की मूर्तियां-शिवलिंग, राजा-रानी की मूर्तियां 11वीं से 14वीं शताब्दी का है। प्रत्येक मंदिर के दरवाजे के ऊपर गणेश की मूर्तियां अंकित है। मंदिरों के शिखर भाग पर नागों की आकृतियां अंकित है। अनुमान है कि यहां पर भी स्थानीय नागवंशी राजाओं का शासन रहा होगा। किंवदंती है कि इनके शासन काल में ही इन मंदिरों का निर्माण होना माना गया है। यहां भगवान राम का मंदिर गर्भगृह और मंडप में विभक्त है। अधिवक्ता भेष कुमार साहू ने बताया कि आज महाशिवरात्रि के अवसर पर इस प्राचीन कपिलेश्वर मंदिर में तांदुला घाट से कावड़िया जल लाकर अर्पित कर रहे हैं।

सीएम भूपेश की मिलेट से बनीं अनोखी रंगोली, स्वाद और स्वास्थ्य का दे रही संदेश

रायपुर। मुख्य मंच के सामने मिलेट्स से दो रंगोली बनाई गई है। एक तरफ बनाई गई रंगोली में मिलेट कार्निवल 2023 लिखा है, तो दूसरी तरफ बनाई गई रंगोली में छत्तीसगढ़ के नक्शे के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का चित्र बनाया गया है। मिलेट्स से बनाई गई ये रंगोली न सिर्फ सुंदर और मनमोहक दिखाई दे रही है बल्कि मिलेट्स के सेवन के प्रति लोगों को जागरुक भी कर रही है।

रायपुर में आयोजित मिलेट्स कार्निवाल के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ना सिर्फ लोगों को मिलेट्स के प्रति जागरुक करना है। बल्कि लोगों को मिलेट्स के फायदे के बारे में जानकारी देना है। बदलते समय और खानपान का लोगों के स्वास्थ पर काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। आज लो शुगर, कैंसर, हॉट की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं और यही वजह है कि अब लोग अपने खानपान में बदलाव की जरुरत महसूस रहे हैं। जिससे न केवल उन्हें अच्छा स्वाद मिल सके बल्कि वे स्वास्थ भी रहे।यही वजह है कि अब मिलेट्स के नए-नए डिश तैयार किए जा रहे हैं। आज मिलेट्स से न सिर्फ ब्रेड, बिस्किट, बेकरी के आइटम तैयार हो रहे हैं बल्कि पिज्जा, डोसा इडली भी तैयार की जा रही है जिसे खाकर लोग स्वाद के साथ स्वास्थ्य भी पाते हैं।मिलेट का क्रेज इन दिनों छत्तीसगढ़ में खूब बढ़ता जा रहा है।मिलेट को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार भी सकारात्मक रुख अख्तियार किए हुए है।यही वजह है कि अब किसान दूसरे फसलों के साथ मिलेट्स का भी उत्पादन कर रहे हैं।मिलेट के उत्पादन के साथ छत्तीसगढ़ में उसके खपत को लेकर भी एक बाजार तैयार किया जा रहा है।जिसमें महिला स्व-सहायता समूहों को जोड़कर उन्हें आर्थिक मजबूती प्रदान की जा रही है।इसी कड़ी में रायपुर में मिलेट कार्निवल का आयोजन किया गया है।इस कार्निवल में सीएम भूपेश की भी तस्वीर मिलेट से बनाई गई है।

जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं वहां राजभवन को बनाते हैं सियासी हथियार: भूपेश बघेल

रायपुर। राजधानी में छत्तीसगढ़ मिलेट कार्निवाल के उद्घाटन समारोह के बाद पत्रकारों से चर्चा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा छत्तीसगढ़ में हुआ क्या है जो उनको अधिकार नहीं है छत्तीसगढ़ में जितने बिल है सब राज्यपाल ने अटका दिया। विधानसभा में जो बिल पारित हुआ है उन्होंने ना उस पर हस्ताक्षर किया ना उसे लौटाया। लेकिन उसमें जो चौथा काम किया है वह सवाल पूछने लगे, राज्य सरकार से जो उनको अधिकार है भी नहीं। अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम कर रहे हैं। खासकर भाजपा की जिन राज्यों में सरकार नहीं है वहा राजभवन के माध्यम से नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। वह गलत है।

सीएम बघेल ने पूर्व सीएम रमन सिंह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता अजय चंद्राकर है। उनको मौका नहीं दे रहे हैं। रमन सिंह के साथ कोई बैठता नहीं। अकेले ही मीडिया वालों को बुलाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। लगातार ट्विटर पर भी सक्रिय है। मज़े यह रमन सिंह से कहना है झीरम घाटी को लेकर आयोग उन्होंने बनाया था उसके बाद जांच रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपा वह कॉपी हमें मिली नहीं। तत्कालीन जो जज थे जिनकी सदस्यता में यह आयोग गठित किया गया था वह आंध्र प्रदेश के चीफ जस्टिस बनके चले गए। आधी

अधूरी रिपोर्ट थी। झीरम घाटी के मामले में रमन सिंह के साथ ही धरमलाल कौशिक हमेशा पीआईएल लगाते हैं। पीआईएल लगाकर उसमें भी रोक लगाते हैं तो झीरम घाटी में अड़ंगा कौन लगा रहा है। हम कमेटी बनाते है उसके अगेंस्ट में एनआईए कोर्ट चली जाती है। आयोग के खिलाफ में धरमलाल कौशिक पीआईएल लगाते हैं। धरमलाल कौशिक ने नान घोटाले में भी पीआईएल लगाया है। लगातार ईडी के मामले में भी डायरेक्ट क्यों नहीं बोलते। जब स्मृति ईरानी नाम ले चुकी है तो इनको नाम लेने में क्यों तकलीफ है। भाजपा केवल राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए काम कर रही है। ईडी की परफॉर्मेंस देखे तो 5000 केस में सिर्फ 33 को ही सिद्ध कर पाए। सिर्फ उनको जेल भेजने का अधिकार है इसलिए भाजपा ईडी का उपयोग डराने के लिए कर रही हैं। 4 साल हो गए ईडी नान घोटाले की जांच कर रही है। लेकिन अब तक सीएम सर और सीएम मैम का पता नहीं लगा पाई। छत्तीसगढ़ सरकार अच्छा काम कर रही है उसको बदनाम करने की कोशिश में भाजपा और रमन सिंह लगे हुए हैं चक्काजाम कर आम जनता को परेशान कर रही भाजपा= भाजपा के प्रदेश भर में चक्का जाम पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा आम जनता को वह क्यों परेशान कर रहे हैं यदि आपको सरकार का ध्यान आकर्षित करना है तो तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय या कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर लेते। सड़कों पर चक्का जाम करके आम लोगों को परेशान कर रहे हैं।

भूपेश ने कहा भाजपा जिन चार नेताओं की हत्या की बात कह रहे हैं। उसमें एक की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई उसको भी नक्सली घटना बता रहे। जिन तीन की मौत हुई उनको कभी रमन सिंह ने भी सुरक्षा नहीं दी थी। ना ही अभी सुरक्षा मिली है। सुरक्षा हटाने की बात बिल्कुल गलत है। अभी जो घटना हुई है बिल्कुल हम उसके निंदा करते हैं नक्सली कमजोर हो चुके हैं सिमट गए हैं इसलिए इस प्रकार से वारदात किए हैं। जिसकी मैं निंदा करता हूं। लेकिन भाजपा राजनीतिक लाभ लेने के लिए पूरे प्रदेश में इस तरह से जनता को परेशान करने के लिए चक्का जाम का आयोजन किया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन का असर, रायपुर के छोटे बड़े होटल्स बुक

24 फरवरी से 26 फरवरी तक तीन दिवसीय कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन

रायपुर। प्रदेश की राजधानी रायपुर में 24 फरवरी से 26 फरवरी तक तीन दिवसीय कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन होना है। जिसमें देश के तमाम छोटे-बड़े नेता पहुंचेंगे। यह कांग्रेस का 85वां राष्ट्रीय अधिवेशन है, जो प्रदेश की राजधानी रायपुर में होगा। इस आयोजन को लेकर कई तरह की तैयारियां कांग्रेस पार्टी की ओर से की जा रही है।

राष्ट्रीय अधिवेशन के कारण 23 तारीख से लेकर 27 तारीख तक राजधानी के कई छोटे-बड़े होटल और रेस्टोरेंट की बुकिंग लगभग 1 महीने पहले की जा चुकी है। ऐसे में दूसरे जगहों से आने वाले लोगों को यहां रुकने के लिए होटल की बुकिंग के लिए सोचना

पड़ेगा। रायपुर में कितने होटल और रिसॉर्ट = प्रदेश की राजधानी रायपुर में छोटे-बड़े होटल और रेस्टोरेंट मिलाकर लगभग 100 से 125 पार्टी ने बड़े और छोटे होटलों की बुकिंग कर ली है। इस दौरान बाहर से कुछ लोग घूमने फिरने या फिर किसी और काम से रायपुर की संख्या होगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के चलते कांग्रेस पार्टी की ओर से लगभग एक महीना पहले ही होटल और रेस्टोरेंट की बुकिंग की जा चुकी है। ऐसे में 23 फरवरी से लेकर 27 फरवरी तक कांग्रेस आते हैं, तो उन्हें होटल और रेस्टोरेंट बुक करने में परेशानी आ सकती है।

होटल संचालक अवधलाल शुक्ला ने बताया कि शहर में छोटे बड़े होटल और रेस्टोरेंट मिलाकर 100 से 125 के आसपास की संख्या है, जो पिछले 1 महीने से कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर बुक हो चुके हैं। कैटेगरी वाइज देखे तो फाइव स्टार होटल, थ्री स्टार होटल, स्टैंडर्ड होटल जैसे अन्य रुकने के स्थान की बुकिंग की जा चुकी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में अलग-अलग कैटेगरी के लोग आने वाले हैं, जो जिस कैटेगरी का है, उस कैटेगरी के हिसाब से होटल की बुकिंग की गई है।

कॉरपोरेट ग्रुप्स के लिए है व्यवस्थाहोटल संचालक अवध लाल शुक्ला ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के चलते होटलों की बुकिंग जरूर हुई है, लेकिन ऐसा नहीं है कि अगर कोई आता है, और उन्हें होटल नहीं मिलेगा। इसके लिए कॉरपोरेट ग्रुप्स के लिए होटल में कमरे उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि जिन होटलों में अगर 100 कमरे हैं तो 70 कमरों की बुकिंग की गई है। जिन होटलों में 50 कमरे हैं वहां पर 30 कमरों की बुकिंग कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए की जा चुकी है। ऐसा करने से कारपोरेट का मूवमेंट भी सही रहेगा।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में कलह

रायपुर में आयोजित कांग्रेस के 85 वें महाधिवेशन से पहले प्रदेश इकाई का कलह सड़क पर आ गया। कांग्रेस के एक गुट ने कटआउट और बैनर -पोस्टर से

प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम को गायब कर दिया। कहते हैं प्रभारी महासचिव सैलजा की फटकार के बाद बैनर-पोस्टर में मोहन मरकाम का फोटो चस्पा किया गया, वह साफ़ नजर आ रहा है। लोग इस बात की चर्चा भी कर रहे हैं। रायपुर में कांग्रेस का महाधिवेशन 24 से 26 फ़रवरी तक आयोजित है। महाधिवेशन की तैयारियों के बीच प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महामंत्री अमरजीत चावला ने सभी समितियों से अपने को अलग करने का फैसला कर लिया। कहते हैं अनुशासनहीनता के मामले में एआईसीसी की नोटिस से खफा अमरजीत चावला ने यह कदम उठाया है। स्वागत समेत अन्य समितियों में कई लोगों के नाम छोड़ दिए गए थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हस्तक्षेप के बाद कई नाम जोड़े गए।

महाधिवेशन में गांधी परिवार पर नजर

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भले मल्लिकार्जुन खड़गे हैं,

पर महाधिवेशन में तो सबकी नजर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर र हे ग ी । महाधिवेशन में सोनिया गांधी आतीं हैं या नहीं, इस पर भी कयास लगाया जा रहा है, वहीं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी महाधिवेशन में पूरे तीन दिन रुकते हैं या एक ही दिन शामिल होकर लौट जाते हैं। इस पर भी चर्चा हो रही है। वैसे महाधिवेशन के एक हफ्ते पहले से ही नवा रायपुर में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के कटआउट और पोस्टर जगह-जगह दिखने लगे हैं। नवा रायपुर भी चकाचक हो रहा है। महाधिवेशन के लिए नवा रायपुर में टेंट शहर बसाया जा रहा है।

कही-सुनी

रवि भोई

होटल-गेस्ट हाउस बुक

कहते हैं 24 से 26 फ़रवरी तक कांग्रेस के महाधिवेशन के कारण रायपुर शहर ही नहीं अभनपुर और आरंग के होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशाला बुक हो गए हैं। इस महाधिवेशन में पदाधिकारियों के अलावा एआईसीसी व पीसीसी डेलीगेट्स और विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल होंगे। अनुमान है कि सभी मिलाकर करीब 15,000 लोग हो जाएंगे। इसके अलावा प्रतिनिधियों के साथ भी कुछ लोगों के पहुँचने की संभावना है। 26 फ़रवरी को ही रायपुर में कई केंद्रों में सिविल जज भर्ती परीक्षा होनी है। इसमें राज्यभर के परीक्षार्थियों के अलावा दूसरे राज्य के बच्चे शामिल होने रायपुर आएंगे। अब उनके ठहरने की क्या व्यवस्था होती है , देखते हैं ?

रमन सिंह का वजूद

भाजपा ने अगले विधानसभा चुनाव के लिए अब तक कोई चेहरा घोषित नहीं किया है, पर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह अब भी जाना-पहचाना चेहरा हैं। जनता उनसे और उनके काम से वाकिफ है। पार्टी के वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने अपने छत्तीसगढ़ दौरे में डॉ. रमन सिंह को जिस तरह महत्व दिया और दौरे में अपने साथ रखा, उससे साफ़ है कि राज्य की राजनीति में डॉ. रमन सिंह का महत्वपूर्ण स्थान है। कहते हैं नड्डा जी पहले दिल्ली से सीधे जगदलपुर पहुँचने वाले थे , लेकिन डॉ. रमनसिंह को अपने साथ ले जाने के लिए रायपुर होते हुए जगदलपुर गए। इसे एक बड़ा संदेश माना जा रहा है। 2003 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने कोई चेहरा घोषित नहीं किया था, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष के नाते रमन सिंह दौड़ में आगे हो गए। तब रमन सिंह के अलावा करुणा शुक्ला और रमेश बैस भी मुख्यमंत्री की दौड़ में थे।

कांग्रेसी विधायक का एसपी के खिलाफ मोर्चा

कहते हैं कांग्रेस के विधायक बृहस्पत सिंह ने बलरामपुर जिले के एसपी मोहित गर्ग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर बृहस्पत सिंह ने अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए और हाइवे जाम कर दिया। इतना ही नहीं एसपी के खिलाफ बलरामपुर शहर में जगह-जगह पोस्टर भी चस्पा करवा दिए। जब राज्य में भाजपा की सरकार थी, तब बृहस्पत सिंह ने बलरामपुर के तत्कालीन कलेक्टर एलेक्स पाल मेनन के खिलाफ भी आवाज बुलंद की थी। राज्य में कांग्रेस की सरकार रहते कांग्रेस विधायक के सड़क पर उतरने और एसपी के खिलाफ पोस्टर वार से तरह-तरह के सवाल उठाए जाने लगे हैं। प्रदेश की राजनीति में बृहस्पत सिंह को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खेमे का माना जाता है, क्योंकि वे स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के घोर विरोधी हैं। लेकिन बृहस्पत सिंह के विरोधी दल के विधायक जैसे बर्ताव से सरकार पर ही उंगुलियां उठने लगी हैं। अब सबकी निगाहें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर टिकी हुई हैं।

ईडी की कार्रवाई पर कयासबाजी

राज्य में कोल लेवी मामले में कुछ अफसरों और कारोबारियों की गिरफ्तारी के बाद कयास लगाया जा रहा है कि ईडी जल्द कुछ बड़ा धमाका कर सकती है। अबकी बार कुछ राजनेताओं पर गाज गिरने की आशंका व्यक्त की जा रही है। रायपुर में 24 से 26 फ़रवरी तक कांग्रेस का महाधिवेशन है। महाधिवेशन के पहले या उसी दौरान ईडी के एक्शन की संभावना व्यक्त की जा रही है। ईडी का केंद्र बिंदु कोरबा जिला बना हुआ है। रिकार्ड खंगालने के लिए ईडी पिछले हफ्ते तीसरी बार कोरबा कलेक्ट्रेट पहुंची थी। कहा जा रहा है ईडी की कार्रवाई फिलहाल भले शांत हैं, पर ईडी के अफसर अपने अभियान में लगे हैं। इस कारण कोयले और खनिज के कारोबार से जुड़े लोगों को ईडी का भूत चैन से रहने नहीं दे रहा है।

नए राज्यपाल पर निगाहें

छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन 23 फरवरी को सुबह साढ़े 11 बजे शपथ लेंगे । शपथ के साथ ही नए राज्यपाल के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो जाएंगी। आरक्षण बिल के अलावा दूसरे लंबित विधेयकों पर उनके रुख का जनता को इंतजार रहेगा। पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्ति का मसला भी लंबित है। नए राज्यपाल एक मार्च को विधानसभा के बजट सत्र का आगाज करेंगे। शपथ के साथ ही विधानसभा में अभिभाषण से कई बातें साफ़ होंगी और कांग्रेस सरकार के साथ उनका तालमेल कैसा रहेगा, उसका संकेत मिल जाएगा। खांटी जनसंघी हरिचंदन ओडिशा के रहने वाले हैं और लंबे समय तक वहां राजनीति की है। ओडिशा और छत्तीसगढ़ पडोसी राज्य होने के साथ दोनों में कई सांस्कृतिक समानताएं भी है, पर महानदी के जल बंटवारे को लेकर दोनों राज्यों में रस्साकशी चल रही है। अब देखते हैं नए राज्यपाल राजभवन और सरकार के बीच की दूरी को किस तरह खत्म करते हैं ? या दूरी यथावत बनी रहती है। तरह खत्म करते हैं ? या दूरी यथावत बनी रहती है।

सिंचाई विभाग की दुर्दशा

सब इंजीनियरों को जल संसाधन विभाग का बैक बोन माना जाता है , लेकिन विभाग में सब इंजीनियरों के स्वीकृत 1400 पदों में से 1200 पद खाली पड़े हैं। केवल 200 सब इंजीनियरों के भरोसे विभाग चल रहा है। कहते हैं सरकार ने जल संसाधन विभाग में 400 सब इंजीनियरों की नियुक्ति कर ली है , लेकिन पोस्टिंग के पहले आरक्षण का पेंच फंस गया। विभाग हाथ में हाथ धरे बैठा रह गया। बिना मैदानी अमले के काम हो तो हो कैसे ? कहा जा रहा है विभाग में मैदानी अमले की कमी के साथ बजट का भी संकट है। इसके चलते राज्य में कोई बड़ी सिंचाई परियोजना नजर नहीं आ रही है। छोटे-मोटे और मेंटेनेंस में ही पूरा विभाग माथा-पच्ची में लगा हुआ है।

मध्यान्ह भोजन में शामिल होगा मिलेट्स

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रस्ताव को भारत सरकार ने दी मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मध्यान्ह भोजन योजना में मिलेट्स को शामिल करने के प्रस्ताव को केन्द्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। अब प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में सोया चिक्की के स्थान पर सप्ताह में चार दिन स्कूली बच्चों को मिलेट्स से निर्मित खाद्य पदार्थ वितरित किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा के अनुरूप लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा केन्द्र सरकार को इस योजना को आंशिक रूप से संशोधित करते हुए सोया चिक्की के स्थान पर मिलेट्स से बने खाद्य सामग्री वितरित किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव को केन्द्र सरकार के डायरेक्टर पीएम पोषण द्वारा मंजूरी दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि राज्य में मिलेट्स के उत्पादन के लिए किसानों को भरपूर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कोदो, कुटकी-रागी जैसे मिलेट का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। इसके अलावा मिलेट मिशन के अंतर्गत राज्य के मिलेट्स उत्पादक किसानों को 9 हजार रूपए की इनपुट सब्सिडी प्रदान की जा रही है। वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है।

गौरतलब है कि पूर्व में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की वार्षिक कार्ययोजना में केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बच्चों को पूरक पोषण आहार के अंतर्गत 55 दिनों के लिए सोया चिक्की प्रदान करने के लिए केन्द्रांश के रूप में 1787.20 लाख रूपए और राज्यांश के रूप में 1198.14 लाख रूपए इस प्रकार कुल 2995.34 लाख रूपए की मंजूरी दी गई थी।

वेतन समझौते पर बैठक लटकी, बीएमएस करेगा प्रदर्शन

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन के द्वारा कल से एसईसीएल के सभी इकाईयों में गेट मिटिंग किया जायेगा। वेतन समझौता के लिए बैठक नहीं हो पाने के कारण कोयला कामगारों आक्रोश है। 21 फरवरी को सभी चारों सीजीएम कार्यालयों के सामने प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा जायेगा। कोरबा में अशोक सूर्यवंशी, रंजय सिंह, दीपका में लक्ष्मण चंद्रा, अश्वनी मिश्रा, गेवरा में रामनारायण साहू, विरेंद्र राठौर, प्रितम राठौर व कुसमुण्डा में टिकेश्वर राठौर, हिरेंद्र चंद्रा के नेतृत्व में ज्ञापन दिया जायेगा। इकाईयों में भी तैयारी शुरू कर दी गई है। केंद्रीय कर्मशाला कोरबा में राजेंद्र यादव, दादूलाल राठौर, बाबूलाल चंद्रा, मानिकपुर में, संजय सिंह, शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में गेट मिटिंग होगा।

चंदेल ने दी महाराष्ट्र के राज्यपाल बैस को शपथ ग्रहण पर बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने महाराष्ट्र के नवनियुक्त राज्यपाल और छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र रमेश बैस को शपथ ग्रहण के अवसर पर बधाई प्रेषित करते हुए कहा है कि त्रिपुरा और झारखंड में राज्यपाल रहते हुए छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाने वाले रमेश बैस जी देश के विशाल राज्य महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में छत्तीसगढ़ का सम्मान ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस छत्तीसगढ़ की धरोहर हैं। छत्तीसगढ़ को उन पर गर्व है। छत्तीसगढ़ की जनता गौरवान्वित है कि छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र बैस जी को देश के एक बड़े राज्य, जिसे देश की आर्थिक राजधानी कहते हैं, का राज्यपाल बनाया गया है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने श्री बैस को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

छत्तीसगढ़ भाजपा ने दी महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस को बधाई

प्रदेश भाजपा ने छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र रमेश बैस को महाराष्ट्र के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है। पूर्व मंत्री, वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता तथा छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री विधायक अजय चंद्राकर ने रमेश बैस को छत्तीसगढ़ का गौरव पुत्र बताते हुए कहा है कि वह महाराष्ट्र में छत्तीसगढ़ की संस्कृति का प्रतीक बनकर छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाएंगे। प्रदेश भाजपा महामंत्री राज्य शासन के पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने महाराष्ट्र के नवनियुक्त राज्यपाल रमेश बैस के शपथ समारोह के अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि रमेश बैस जी ने छत्तीसगढ़ की माटी का सम्मान बढ़ाया है।

प्रदेश भाजपा महामंत्री विजय शर्मा ने श्री बैस को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे छत्तीसगढ़ के कर्मठ माटी पुत्र हैं और उनके योगदान को हमेशा सम्मान मिलता रहेगा। प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि रमेश बैस जी महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में छत्तीसगढ़ का सम्मान बढ़ाएंगे। उनकी योग्यता और अनुभव का लाभ महाराष्ट्र की जनता को मिलेगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

गरीब मरीजों पर पड़ रही है भूपेश-सिंहदेव तकरार की मार

रायपुर। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व छत्तीसगढ़ के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने सरकारी अस्पतालों की अव्यवस्था और मरीजों की दयनीय स्थिति के मद्देनजर बिलासपुर सिम्स जहां सात सौ से अधिक मरीज केवल अठारह नर्सों के भरोसे हैं, का हवाला देते हुए कहा है कि कांग्रेस के राज में अस्पतालों में इंजेक्शन लगाने के लिए नर्स तक नसीब नहीं हैं। गरीब बेमौत मर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों की हालत बदतर है। गरीब, असहाय, बेसहारा लोग दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं।इलाज के अभाव में छत्तीसगढ़ में 25000 नवजात शिशुओं की मृत्यु कांग्रेस राज में हो चुकी है।सरकारी अस्पतालों में न जांच हो पा रही है न गरीबों को इलाज मिल पा रहा है। यहां तक कि मरीजों को इंजेक्शन लगाने के लिए नर्स तक यह सरकार दे नहीं पा रही। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने कहा कि बस्तर से लेकर सरगुजा तक, राजधानी से लेकर न्यायधानी तक छत्तीसगढ़ की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। बस्तर में आदिवासी रहस्यमयी बीमारी की चपेट में आकर दम तोड़ रहे हैं। सरगुजा के सरकारी अस्पताल में नवजात शिशुओं की मौत हो जाती है। पूरे प्रदेश में बड़े बड़े सरकारी अस्पतालों से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों तक इतना मेडिकल स्टॉफ नहीं है कि मरीजों का इलाज हो सके। गरीबों की जान बच सके।

एसपी हटेगा या रॉबिनहुड नपेगाः अजय चंद्राकर

रायपुर। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री, विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस विधायक बृहस्पत सिंह द्वारा एसपी को हटाने की मांग के साथ बलरामपुर बंद करने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सवाल किया है एसपी को हटाया जाएगा या अपनी ही सरकार के खिलाफ बंद का आयोजन करने वाले विधायक को नापा जायेगा।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भाजपा के आंदोलन को बेशर्मी कहा जबकि ये पार्टी खुद अपने शहीद नेताओं को राजनीति का मोहरा बना रही है। जेब में सबूत लेकर घूम रहे हैं और ऐसे ही घूमते घूमते खुद गुम हो जाएंगे। आपकी आंखों में जरा सी भी शर्म बाकी है तो बतायें कि रॉबिनहुड कांग्रेस विधायक बलरामपुर क्यों बंद करा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा है कि एसपी हटेगा या रॉबिनहुड नपेगा? भाजपा मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा यह बड़ी अजीब स्थिति है कि एसपी के खिलाफ सरकार के विधायक को ही बंद बुलाना पड़ रहा है मुख्यमंत्री अपने विधायक को तो रोक नहीं पा रहे हैं और विपक्ष के ऊपर तंज कस रहे है मुख्यमंत्री जी से न उनकी पार्टी संभल रही है ना यह प्रदेश।

कांग्रेस महाअधिवेशन पर भाजपा की टिप्पणी और पोस्ट स्तरहीन हरकत

रायपुर। कांग्रेस के अधिवेशन पर भाजपा द्वारा सोशल मीडिया में की गयी पोस्ट और टिप्पणी भाजपा की स्तरहीन हरकत है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा कांग्रेस के अधिवेशन से घबराई हुई है। इसीलिये वह अब अनर्गल और अमर्यादित आचरण पर उतर आई है। फासीवादी प्रवृत्ति की विचारधारा विहीन भाजपा अधिवेशन के महत्व और उसकी उपयोगिता को नही समझ सकती है। धार्मिक विद्वेष भड़का कर सांप्रदायिकता फैलाकर देश की गंगा, जमुनी, तहजीब पर प्रहार करके मतों का ध्रुवीकरण करने की राजनीति करती है। देश के आर्थिक सामाजिक राजनैतिक विकास के लिये भाजपा का कभी कोई विजन नहीं रहा। भाजपा अपने राष्ट्रीय कार्यसमिति में भी धार्मिक एजेंडे पर ही विमर्श करती है। अतः राजनैतिक दल के रूप में भाजपा पार्टी के अधिवेशन और अधिवेशन में किये जाने वाले कार्यो से पूरी तरह से अंजान है या उसका इसका ज्ञान ही नही है। इसलिये वह कांग्रेस के अधिवेशन पर स्तरहीन टिप्पणी करने का दुस्साहस कर रही है। 15 सालो तक छत्तीसगढ़ को अवैध वसूली का गढ़ बनाकर तथा नागपुर और भाजपा का वसूली गढ़ बना चुकी।

विश्व हिन्दू परिषद की धार्मिक यात्रा संघ की हताशा यात्रा-कांग्रेस

रायपुर। विश्व हिन्दू परिषद की तथाकथित धार्मिक यात्रा को कांग्रेस ने संघ व भाजपा की हताशा यात्रा बताया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दों के दिवालियेपन से जूझ रही है। उसके पास जन सरोकारों के मुद्दे उठाने के लिये नही है जब- जब भाजपा विपक्ष में रहती तथा उसका जनता से दुराव हो जाता है तब वह अपने राजनैतिक अस्तित्व को बचाने के लिये धर्म की आड़ में छुपती है। छत्तीसगढ़ में भी संघ के निर्देश में विहिप द्वारा निकाली जाने वाली तथाकथित धार्मिक यात्रा भी भाजपा के राजनैतिक वजूद को बचाने की कवायद है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं आदिवासियों सभी वर्ग के लिये न सिर्फ प्रभावी योजना बनाया है उसका जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन किया है छत्तीसगढ़ में किसानों को देश में सबसे ज्यादा कीमत 2660 रूपये मिल रहा प्रदेश की बेरोजगारी दर आधा प्रतिशत से कम है अर्थात राज्य के हर हाथ के पास कुछ न कुछ काम है महिलाये स्वसहायता समूह और गौठानों के माध्यम से स्वाबलंबी हो गयी है 65 लघुवनोपजों की खरीदी और सुराजी ग्राम अभियान से प्रदेश में खुशहाली आई ऐसे में भाजपा छत्तीसगढ़ में मुद्दाविहीन हो गयी वह धर्म से धर्म को लड़ाने के षडयंत्र करने में लगी है।

इंदिरा गांधी राजीव गांधी भी टारगेट किलिंग का शिकार हुये थेः धनंजय

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा की टारगेट किलिंग भाजपा नेताओ की संस्कृति है।आजादी के बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से लेकर झीरम घाटी कांड में कांग्रेस नेताओं को टारगेट कर उनकी हत्या की गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जिस दिन हत्या हुई उसी दिन कुछ लोग हत्या की खबर सुनने के बाद नागपुर में मिठाई वितरित कर रहे थे खुशियां मना रहे थे देश में कांग्रेस के नेता ही टारगेट किलिंग का शिकार हुए हैं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री राजीव गांधी की भी टारगेट किलिंग कर हत्या की गई थी और इन सब का मकसद सिर्फ कांग्रेस के मजबूत नेतृत्वकर्ताओं को खत्म कर राजनीति को कमजोर करना था। लेकिन विरोधी लोग असफल रहे। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 2013 में कांग्रेस पार्टी ने परिवर्तन यात्रा पूरे प्रदेश में निकालकर भ्रष्ट रमन भाजपा की सरकार की पोल खोल रही थी परिवर्तन यात्रा को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा था लेकिन जब परिवर्तन यात्रा बस्तर संभाग में पहुंची तब उसकी सुरक्षा में कटौती कर दिया गया और झीरम घाटी राजनीतिक षड्यंत्र हत्याकांड हुए जिसमें कांग्रेस के प्रथम पंक्ति के नेताओं कार्यकर्ताओं की शहादत हुई।

छत्तीसगढ़ राज्य के लिए वर्ष 2023-24 में बैंक ऋण के लिए 46,057 करोड़ का अनुमान

रायपुर। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए राज्य ऋण संगोष्ठी 2023-24 का आयोजन नया रायपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में किया गया। क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक श्रीमती रेनी अजीत के मुख्य आतिथ्य और अध्यक्ष अपेक्स बैंक श्री बैजनाथ चन्द्राकर की विशिष्ट उपस्थिति में स्टेट फोकस पेपर (2023-24) का अनावरण किया गया। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड डॉ. ज्ञानेन्द्र मणि ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए वर्ष 2023-24 के लिए राज्य के बैंक ऋण के लिए 46,057 करोड़ रूपए का अनुमान किया गया है। उन्होंने साख योजना प्रक्रिया में स्टेट फोकस पेपर के महत्व और नाबार्ड द्वारा राज्य में आधारभूत संरचना सुविधा के विकास, संवर्धन और विकासात्मक गतिविधियों के संबंध में शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक श्रीमती रेनी अजीत ने स्टेट फोकस पेपर के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य या 2030 एजेंडा को प्राप्त करने में नाबार्ड की भूमिका की सराहना की। उन्होंने नाबार्ड द्वारा अनुमानित प्रक्षेपण के अनुसार राज्य में जमीनी स्तर पर ऋण प्रवाह बढ़ाने के लिए सभी बैंकों से अपील की। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री बैजनाथ चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ में कृषि और ग्रामीण आजीविका विकास के लिए नाबार्ड और राज्य सरकार की योजनाओं और गतिविधियों रेखांकित किया। उन्होंने राज्य मे जनजातीय विकास हेतु कोदो, कुदकी और रागी पर विशेष ध्यान देने पर ज़ोर दिया। निदेशक वित्तीय संस्था श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा ने बताया की ऋण के साथ-साथ उचित समय पर ऋण का मिलना विकास के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने इसके अलावा दस आकांक्षी जिलों और एक उत्कर्ष जिले मे ऋण प्रवाह की अपार संभावनाओं को इंगित किया।

विमानतल, रेलवे स्टेशन व बस अड्डा में तैनात रहेंगे कांग्रेस के वालंटियर

कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन में देश भर से पहुचेंगे प्रतिनिधिगण

- **अधिवेशन स्थल व ठहरने के स्थान लाने ले जाने रहेगी वाहन सुविधा**
- **मोहम्मद अकबर ने ली परिवहन समिति की बैठक**

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन के लिये गठित परिवहन समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष प्रदेश के परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में हुई। अधिवेशन में देश भर से आने वाले प्रतिनिधियों के लिये वाहन सुविधा उपलब्ध कराने पर विचार करने के पश्चात कई निर्णय लिए गए। बैठक में एआईसीसी के प्रभारी संयुक्त सचिव विजय जांगिड़ भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होना प्रदेश के लिये अत्यंत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिवेशन में देश भर से प्रतिनिधि रायपुर पहुंचेंगे। विमानतल, रेलवे तथा अंतराज्यीय बस स्टैण्ड से प्रतिनिधियों को उनके ठहरने के स्थल तक वाहनों में पहुंचाने तथा तीन दिनों तक अधिवेशन स्थल लाने ले जाने के लिये व्यापक तैयारी की जा रही है। इन तीनों स्थलों से प्रतिनिधियों को वाहनों में ले जाने के लिये दिन-रात कांग्रेसजनों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इन सारी व्यवस्थाओं पर विचार के लिये बैठक रखी गई।

बैठक में परिवहन समिति के अध्यक्ष प्रदेश के परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर, संयोजक रवि घोष, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, समिति के सदस्यगण महेन्द्र छाबड़ा, मोहम्मद असलम, शिव सिंह ठाकुर, अशोक राज आहूजा, सीमा वर्मा, आकाश शर्मा, जितेन्द्र साहू, नवीन श्रीवास्तव, शीत श्रीवास, अजय अग्रवाल, नरेन्द्र देवांगन, सोमेन्द्र चटर्जी, सर्वजीत सिंह, मित्रभान साहू, शब्बीर खान, आशीष द्विवेदी, मोहम्मद अजहर, राहुल तेजवानी, अमर गिदवानी, आदि उपस्थित थे।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.